www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 28.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.755g
चांदी 110,000kg

2 आतंक के विरुद्ध भारत की दृढ़ता, नहीं कर सकते आतंकी हमलों की अनदेखी

हाईवे पर छुट्टा गोवंश से ऑटो टकराई 04

वर्ष :09 | अंक :08 | मुंबई ,रविवार , 29 जून 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के बूंदी में तालाब में डूबने से दो लोगों की मौत

राजस्थान के बूंदी जिले में अलग-अलग घटनाओं में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई और एक किशोर लापता हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। पहली घटना में शुक्रवार को बूंदी जिले के बरधा बांध के ऊपर एक पुलिया पार करते समय बारां जिले के अटरू थाना क्षेत्र के कुंजेड गांव के निवासी मोहित यदुवंशी (19), लक्ष्य मालव (22) और उसका भाई पानी के तेज बहाव में बह गए। तालेड़ा पुलिस थाने के क्षेत्र अधिकारी अजीत बागडोलिया ने बताया कि लक्ष्य मालव और उसका भाई तैरकर सुरक्षित निकल आए, जबकि यदुवंशी तेज बहाव में बह गया। लापता किशोर का अभी तक पता नहीं चल पाया है। दूसरी घटना में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के कर्मचारी रामचंद्र पासवान (43) और शंकर माली शुक्रवार शाम बूंदी सदर पुलिस थाने के अंतर्गत कंजरी सेलोर में एक तालाब में डूब गए। बूंदी सदर थाने के क्षेत्र अधिकारी रमेश आर्य ने बताया कि रामचंद्र गलती से उफनते तालाब में गिर गया।

केरल में भारी बारिश, आईएमडी ने पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया

केरल में मानसून की बारिश जारी रहने के कारण राज्य में हाई अलर्ट जारी है, क्योंकि नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और बांधों के शटर खोले जा रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के लिए अपने पूवार्नुमान में संशोधन किया है, जिसके तहत आज वायनाड और इडुक्की जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। आईएमडी ने राज्य के पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, मलप्पुरम और वायनाड जिलों में शनिवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 सेंटीमीटर (सेमी) से 20 सेमी तक की भारी बारिश होता है। पिछले कुछ दिनों में राज्य में हुई बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई और सैकड़ों लोग विस्थापित हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में वायनाड जिले के बाणासुर सागर और पथानामथिट्टा जिले के मूझियार जैसे कुछ बांधों के फाटक खोल दिये गए हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, त्रिशूर जिले में पीची बांध के फाटक शनिवार दोपहर को खोले जाने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के कारण जल स्तर बढ़ने के बाद पलक्कड़ में कंजिरापुझा, मालमपुझा और मीनकारा सहित विभिन्न बांधों के फाटक शनिवार को खोल दिए गए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने स्पेस स्टेशन पर मौजूद शुभांशु शुक्ला से की बातचीत

भारतीय एस्ट्रोनॉट बोले- अंतरिक्ष से भारत भव्य दिखता है, दिन में 16 सूर्योदय, 16 सूर्यास्त देखते हैं

एक्सिओम मिशन 4

एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) के पायलट के रूप में कार्यरत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में जाने वाले 634वें व्यक्ति और आईएसएस के अंदर कदम रखने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया है। अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले आखिरी भारतीय 1984 में राकेश शर्मा थे, लेकिन शुक्ला अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार (28 जून) को ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की, जो एक ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि भारतीय वायु सेना के अधिकारी अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में प्रवेश करने वाले पहले भारतीय बन गए। एक्सिओम स्पेस के एक्स-4 मिशन के हिस्से के रूप में उनकी यात्रा को वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर माना जा रहा है।

1984 के बाद से आई.एस.एस. पर पहुंचने वाले पहले भारतीय एक्सिओम मिशन 4 (एक्स-4) के पायलट के रूप में कार्यरत ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में जाने वाले 634वें व्यक्ति और आईएसएस के अंदर कदम रखने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी की शुभांशु शुक्ला से पूरी बातचीत...

- प्रधानमंत्री- आज आप हमारी मातृभूमि से दूर हैं, लेकिन आप भारतीयों के दिलों के सबसे करीब हैं। आपके नाम में भी शुभ है और आपकी यात्रा नए युग का शुभारंभ भी है। इस समय सिर्फ हम दोनों ही बात कर रहे हैं, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं भी मेरे साथ हैं।
- शुभांशु- पीएम मोदी आपकी और 140 करोड़ भारतीयों की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं यहां ठीक और सुरक्षित हूं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, यह एक नया अनुभव है। यह यात्रा सिर्फ मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की यात्रा है।
- प्रधानमंत्री- आपको पृथ्वी माता की परिक्रमा का मौका मिला है, आप अभी कहां हैं?
- शुभांशु- हम 16 बार परिक्रमा करते हैं, 16 सनराइज और 16 सनसेट देखते हैं। 28 हजार किमी/घंटे की रफ्तार से चलते हैं। यह गति दिखाती है कि हमारा देश कितनी गति से आगे चल रहा है।

जो हमें चुनौती देगा... प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ अपना रुख दोहराया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आतंकवाद के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया को रेखांकित किया और एक स्थायी एवं समृद्ध भारत के निर्माण के उद्देश्य से नौ प्रमुख संकल्पों पर प्रकाश डाला। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में जैन आध्यात्मिक गुरु आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा जो हमें चुनौती देगा.... दर्शकों ने नारे लगाते हुए वाक्य पूरा किया। उन्होंने कहा कि मैंने आधा वाक्य भी नहीं कहा और आपने उसे पूरा कर दिया। जैन आध्यात्मिक नेता आचार्य प्रज्ञा सागर ने मोदी सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान लिए गए निर्णयों की सराहना की, जिनमें अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए को निरस्त करना, केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख की कार्टोग्राफिक सीमाओं को परिभाषित करने वाला नया मानचित्र प्रकाशित करना और पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद 7 मई की सुबह भारत द्वारा शुरू किया गया ऑपरेशन सिंदूर शामिल है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। पीएम मोदी ने कहा कि शब्दों में न कहते हुए भी शायद आप ऑपरेशन सिंधु को अपना आशीर्वाद दे रहे थे। मोदी ने टिकाऊ और समृद्ध भारत के निर्माण के उद्देश्य से नौ प्रमुख संकल्पों को भी दोहराया, जिनमें शामिल हैं: जल संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता को बढ़ावा देना, स्थानीय उद्यमों का समर्थन करना, देश की सांस्कृतिक समृद्धि का पता लगाने के लिए देश के भीतर यात्रा करना, जैविक खेती को प्रोत्साहित करना, स्वस्थ जीवन शैली अपनाना, योग और खेल को अपनाना तथा वंचितों को सहायता प्रदान करना। उन्होंने जैन दर्शन और समाज में आचार्य विद्यानंद महाराज के योगदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

अमित शाह का युवाओं से अपील

2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व नेता बनाने का लें संकल्प

शाह वीडियो लिंक के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया, जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया। शाह वीडियो लिंक के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जहां गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया। गोविंद गुरु को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नायक बताते हुए शाह ने कहा, ₹अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई-बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।₹ उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोविंद गुरु की वीरता को आगे बढ़ाया है और 2047 तक भारत को एक महान राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।शाह ने कहा, यह हम सभी के लिए महत्वपूर्ण बात है। हमारे युवाओं और बच्चों को एक ऐसा भारत बनाने का संकल्प लेना चाहिए, जहां देश अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाए जाने पर दुनिया में हर क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त करे।₹ केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गोविंद गुरु विश्वविद्यालय की स्थापना का विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सोचा था। शाह ने अपने संक्षिप्त आभासी संबोधन में कहा कि आज, यह पंचमहल (जिले) के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।

लैंडस्लाइड के चलते केदारनाथ हाईवे बंद

नॉर्थ ईस्ट में 5 दिन से रेल कनेक्टिविटी टूटी; मुंबई में हाई टाइड से सड़कों को नुकसान

मुंबई में समुद्र में हाई टाइड उठ रहा है। इस वजह से समुद्र किनारे की सड़कों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, महाराष्ट्र के चंद्रपुर का ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व का मेन एरिया मानसून की वजह से 1 जुलाई से तीन महीने के लिए पर्यटकों के लिए बंद किया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली , मौसम विभाग ने आज देश के 31 राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। यूपी-बिहार समेत देश के 27 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र (मध्य), केरल में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।उत्तराखंड के सोनप्रयाग में शुक्रवार देर रात तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई। इस वजह से केदारनाथ हाईवे बंद हो गया है। रास्ते से मलबे को हटाने का काम जारी है। पुलिस ने यात्रियों को कुछ दूर पहले सुरक्षित स्थान पर ही रोक लिया है।राजस्थान के 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। शुक्रवार को जैसलमेर, जयपुर, सीकर, अलवर समेत 25 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, बिजली गिरने से बूंदी में एक युवक और महिला, सिरोही में बच्चे और डूंगरपुर में युवक की मौत हो गई।महाराष्ट्र में तेज बारिश जारी है। त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर, असम (दक्षिण) में रेलवे लाइन पर कई जगहों पर तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई है।

अखिलेश यादव ने बुलडोजर को बताया अन्याय का प्रतीक

कहा- जमीन कब्जा करने के लिए भाजपा कर रही प्रशासन का इस्तेमाल

सपा प्रमुख ने योगी आदित्यनाथ के सिलसिले में कहा, उन्होंने गोरखपुर के लिए सबसे पहले घोषणा झांसी में जाकर की थी और कहा था कि झांसी के साथ-साथ गोरखपुर में मेट्रो (मेट्रो रेल सेवा) बनाएंगे। दिल्ली सरकार के 11 साल और यहां के नौ साल पूरे होने जा रहे हैं, लेकिन न झांसी में मेट्रो बनी और न गोरखपुर में मेट्रो बनी।

एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर शनिवार को निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जहां-जहां जमीन दिखाई दे रही है, वहां-वहां भाजपा के लोग कब्जा कर रहे हैं।अखिलेश यादव ने यहां सपा मुख्यालय में प्रेसवार्ता में गोरखपुर में बन रहे विरासत गलियारा के लिए व्यापारियों और नागरिकों की जमीन अधिगृहीत किये जाने का मामला उठाते हुए शासन-प्रशासन के साथ ही भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं पर 25 जून को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव के नेतृत्व में गोरखपुर गए चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल का पुलिस की मौजूदगी में बुलडोजर लेकर रास्ता रोकने, दुर्व्यवहार करने, वाहनों पर अंडे और पत्थर फेंकने तथा काला झंडा दिखाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि इनका जो फर्जी विरासत गलियारा बन रहा है, सपा सरकार बनने पर विकास का गलियारा बनायेगी। सपा प्रमुख ने गोरखपुर में विरासत गलियारा के वास्ते मुआवजा सहमति के स्थान पर बाजार भाव से देने की मांग करते हुए

एअर इंडिया ने 4 कर्मचारियों से इस्तीफा मांगा

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के 8 दिन बाद मनाया था जश्न, डांस का वीडियो सामने आया

एजेंसी

नई दिल्ली , एअर इंडिया ने अपने ग्राउंड हैंडलिंग वेंचर 4 कर्मचारियों को इस्तीफा देने के लिए कहा है। ये कार्रवाई इनकी एक पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद की गई। इन कर्मचारियों ने अहमदाबाद प्लेन हादसे के 8 दिन बाद यह पार्टी की थी।एअर इंडिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, 'अहमदाबाद प्लेन हादसे की दुखद घटना से प्रभावित परिवारों के साथ हम पूरी संवेदना के साथ खड़े हैं। वायरल वीडियो में कर्मचारियों का व्यवहार है, यह हमारी कंपनी की पॉलिसी के खिलाफ है। हमने जिम्मेदार लोगों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।' मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दावा किया जा रहा है।

अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं..

एएनआई से बात करते हुए मजूमदार ने कहा कि दोनों घटनाएं (हाल ही में हुई और आरजी कर बलात्कार मामला) एक शैक्षणिक संस्थान के अंदर हुईं। इन्हें रोकने में राज्य सरकार की अक्षमता एक दयनीय विफलता है

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हाल ही में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए बलात्कार मामले सहित शैक्षणिक संस्थानों से लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं के बाद शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि अगर सरकार छात्रों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित नहीं कर सकती तो उसे अपने पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। मजूमदार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना और हाल ही में लॉ कॉलेज मामले का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल के शैक्षणिक संस्थानों में छात्राएं सुरक्षित नहीं हैं।एएनआई से बात करते हुए मजूमदार ने कहा कि दोनों घटनाएं (हाल ही में हुई और आरजी कर बलात्कार मामला) एक शैक्षणिक संस्थान के अंदर हुईं। इन्हें रोकने में राज्य सरकार की अक्षमता एक दयनीय विफलता है... किसी को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने इन घटनाओं को रोकने में राज्य सरकार की दयनीय विफलता की निंदा की और कानून और व्यवस्था बनाए रखने की उनकी क्षमता पर सवाल उठाया और मांग की कि कोई इन विफलताओं की जिम्मेदारी ले, यह सुझाव देते हुए कि अगर सरकार सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती तो उसे सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है।

ममता सरकार पर भाजपा का वार

राज्य सरकार के औचित्य पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने आगे कहा, आप कहते हैं कि पुलिस हर जगह नहीं हो सकती.

गुरुग्राम महिला मॉक पार्लियामेंट में इमरजेंसी पर बहस

सीएम बोले- आपातकाल में कांग्रेस ने किए थे बड़े अत्याचार

सीएम सैनी ने कहा, पार्लियामेंट का भी मैं सदस्य रहा हूं। पार्लियामेंट का एक-एक शब्द मायने रखता है। देश ने कांग्रेस को बाहर कर दिया है। हमारा लोकतंत्र पवित्र है। 2047 तक मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा।

एजेंसी

चंडीगढ़ , गुरुग्राम में आयोजित महिला मॉक पार्लियामेंट में आपातकाल पर चर्चा के दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, आपातकाल के समय देश की सरकार ने ही अपने ही लोगों पर ऐसा अत्याचार किया, जो अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। कांग्रेस को इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। सीएम ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा, ह्वराहुल गांधी जेब में संविधान लेकर घूमते हैं, लेकिन असल में वो आज भी सपनों की दुनिया में जी रहे हैं। उनका शीशा नहीं, बल्कि चेहरा ही खराब है। इस मौके पर हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली भी सीएम के साथ मौजूद थे।इन्होंने जम्मू-कश्मीर में जाने के लिए परमिट शुरू कियागुरुग्राम में आयोजित महिला मॉक पार्लियामेंट में सीएम सैनी ने कहा, कांग्रेस ने संविधान का अपमान किया है।

तंज वोटर लिस्ट रिवीजन को लेकर चुनाव आयोग पर हमलावर टीएमसी

पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने की हो रही कोशिश..

एजेंसी

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने शनिवार को चुनाव आयोग द्वारा घोषित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में कहा कि यह पिछले दरवाजे से एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) लाने का एक भयावह कदम है। ओ ब्रायन ने प्रेस वार्ता में कहा कि चुनाव आयोग बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण नामक एक अभ्यास कर रहा है, और फिर उन्होंने कहा कि वे इसे बंगाल में भी जारी रखेंगे। इसके तहत, नए और मौजूदा मतदाताओं को जुलाई 1987 से पहले पैदा हुए लोगों के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। टीएमसी सांसद ने कहा कि जुलाई 1987 से दिसंबर 2004 के बीच पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और एक माता-पिता के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण। दिसंबर 2004 के बाद पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और माता-पिता दोनों के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण। यदि ये दस्तावेज एक महीने के भीतर जमा नहीं किए जाते हैं, तो आपका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। टीएमसी संवैधानिक निकाय के रूप में भारत के चुनाव आयोग का सर्वोच्च सम्मान करती है, लेकिन संवैधानिक निकाय को भाजपा का शाखा कार्यालय नहीं बनना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि यह अभ्यास अचानक अभी क्यों किया जा रहा है? हमारे पास सबूत हैं कि यह अभी किया जा रहा है क्योंकि बंगाल के लिए भाजपा के नवीनतम आंतरिक सर्वेक्षण से पता चलता है कि भाजपा को बंगाल विधानसभा चुनावों में 46 से 49 सीटें मिलेंगी। चीजों को बदलने या बदलने की कोशिश करने की हताशा में, आप ये हताशाजनक चीजें करते हैं। ओ'ब्रायन ने कहा कि चुनाव आयोग (ईसी) एनआरसी को पिछले दरवाजे से लाने की कोशिश कर रहा है। 1935 में नाज़ियों के शासन में आपको एक पूर्वज पास दिया जाना था। यह साबित करने के लिए कोई कागज का सबूत कि आप एक भारतीय नागरिक हैं, क्या यह उस नाजी पूर्वज पास का नया संस्करण है? उन्होंने कहा कि सभी इंडिया ब्लॉक पार्टियाँ इसे संसद के अंदर और बाहर उठाएँगी। ईसी ने कहा था कि 30 अप्रैल, 2025 तक इसका समाधान हो जाएगा।

हमारा सवाल यह है कि आपने क्या समाधान निकाला है? हमने मिलने का समय माँगा है। आपने हमें समय नहीं दिया है। शुक्रवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चुनाव आयोग को पत्र लिखा और इस अभ्यास को छोड़ने का आग्रह किया।

टीएमसी सांसद ने कहा कि जुलाई 1987 से दिसंबर 2004 के बीच पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और एक माता-पिता के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण। दिसंबर 2004 के बाद पैदा हुए लोगों के लिए स्वयं और माता-पिता दोनों के लिए जन्म और जन्मस्थान का प्रमाण।

उनके पास बिहार की प्रगति के लिए कोई मॉडल नहीं, लालू यादव पर सम्राट चौधरी का तंज

बिहार में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय मॉडल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इसका मतलब है राजा बनो, रानी (सत्ता में) लाओ और फिर राजकुमार और राजकुमारी और आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के पास बिहार की प्रगति के लिए कोई मॉडल नहीं है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह और उनकी पार्टी राज्य में 15 साल तक सत्ता में रहे, लेकिन उन्होंने इसके विकास के लिए कुछ नहीं किया। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, बिहार में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने लालू प्रसाद के सामाजिक न्याय मॉडल पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इसका मतलब है राजा बनो, रानी (सत्ता में) लाओ और फिर राजकुमार और राजकुमारी और आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री के पास बिहार की प्रगति के लिए कोई मॉडल नहीं है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव ने 15 साल तक बिहार पर शासन किया - सात साल मुख्यमंत्री रहे और उनकी पत्नी राबड़ी देवी अगले आठ साल तक सीएम रहीं - राष्ट्रीय जनता दल के नेता इस बड़े अवसर का फायदा उठाने में विफल रहे। चौधरी ने कहा कि लालू जी को बड़ा अवसर मिला। वह बिहार के मुख्यमंत्री थे और फिर 8 साल तक कठपुतली मुख्यमंत्री रहे।

सम्पादकीय

विश्व की नई आर्थिक शक्ति बने भारत, आर्थिक, उन्नत एआइ और परमाणु शक्ति संपन्न बनाने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ना चाहिए

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के आपरेशन सिंदूर से पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है। ऐसे में दो शत्रु देश चीन और पाकिस्तान के साथ होने से भारत के लिए एआइ साइबर तकनीक और मिसाइल रक्षा जैसी नई तकनीक से उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है। हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने देश को आर्थिक और सामरिक क्षेत्र में मजबूत बनाया है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजूबर कर दिया। अब भारत को दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की चुनौतियों से मुकाबले के लिए उन्नत एआइ से संपन्न एवं आर्थिक रूप से सशक्त देश बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर का विश्लेषण बताता है कि अब युद्ध में एआइ और आर्थिक ताकत की अहमियत बढ़ गई है और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हो रही है।चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है और उससे भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतः भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाना होगा। इसके लिए जरूरी है सरकार, विज्ञानी, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और जनता एकजुटता दिखाए। भारतीय अर्थव्यवस्था जिस तेजी से बढ़ रही है, उसे देखते हुए देश के वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की उम्मीद बढ़ी है। इजरायल-ईरान युद्ध की चुनौतियों के बीच भारत बहुआयामी आर्थिक सुधारों के बल पर मजबूती के साथ खड़ा है इस युद्ध से कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट आई, वहीं भारत बेहतर स्थिति में रहा। आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, निर्यात पर कम निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति और कृषि क्षेत्र में सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों से झेलने में सक्षम बनाया है।युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हुई है। इजरायल-ईरान युद्ध से जहां दुनिया में महंगाई बढ़ी, वहीं भारत में घटी। भारत की खुदरा महंगाई दर महज 2.82 प्रतिशत और थोक महंगाई दर महज 0.39 प्रतिशत है। यह पिछले 14 महीनों का सबसे निचला स्तर है। देश के खाद्यान्न भंडार में एक साल से भी अधिक की जरूरतों को पूरा करने लायक गेहूं और चावल हैं।कृषि उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस वर्ष खाद्यान्न उत्पादन लगभग 6.5 प्रतिशत बढ़कर 35.39 करोड़ टन के रिकार्ड स्तर पर पहुंच सकता है। युद्ध के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना रहा।

आज का विचार

सारी दुनियाँ कहती है
कि हार मान लो लेकिन दिल कहता है
कि एक बार और कोशिश करो,
तुम ये जरूर कर सकते हो

भारत संवाद

आतंक के विरुद्ध भारत की दृढ़ता, नहीं कर सकते आतंकी हमलों की अनदेखी

किंगदाओ में यह झलक भी देखने को मिली कि चीन-पाकिस्तान की मौजूदगी वाले मंच पर भारत के लिए गुंजाइश सीमित होती जाएगी। यह चीन की सुनियोजित नीति दिखती है। एससीओ दस्तावेज में भी यह दिखा पर भारत ने भरपूर दृढ़ता दिखाई कि अपने सिद्धांतों की रक्षा के लिए ऐसे किसी मंच पर उसे अगर सदस्य देशों के खिलाफ भी खड़ा होना पड़े तो वह उससे नहीं हिचकेगा।

चीन के किंगदाओ शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन-एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों का सम्मेलन आतंक के खिलाफ भारत की दृढ़ता के लिए याद किया जाएगा। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एससीओ के उस संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया जिसमें पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख तो नहीं था, उलटे बलूचिस्तान का संदर्भ जोड़ दिया गया था।भारत का यह रुख पहलगाम आतंकी हमले के बाद से कायम उसके रवैये के अनुरूप ही है कि आतंक के साथ अब कोई समझौता नहीं किया जाएगा और अगर भारत किसी मंच पर इसे लेकर अलग-थलग भी पड़ जाए तो उसे उसकी कोई परवाह नहीं।इससे पहले आपरेशन सिंदूर के बाद भी विभिन्न देशों में भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के माध्यम से भी भारत ने वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को बेनकाब करने का जोरदार अभियान चलाया था।एससीओ के मंच पर भी भारत ने उसी नीति की निरंतरता को प्रदर्शित किया।मूल रूप से चीन के वर्चस्व वाले एससीओ का भारत काफी समय बाद सदस्य बना है। पाकिस्तान भी इसका सदस्य है। इस समूह के प्रमुख उद्देश्यों में से एक यह भी है कि आतंकवाद और चरमपंथ के खिलाफ वह क्षेत्रीय सहयोग के लिए आधार तैयार करने की भूमिका निभाएगा, लेकिन इसकी कार्यप्रणाली उसके चरित्र से मेल नहीं खाती। समय के साथ इस संगठन में चीन का वर्चस्व और बढ़ता गया है। इसका एक कारण बदले हुए वैश्विक समीकरणों में रूस पर लगे तमाम प्रतिबंध भी हैं, जिनके चलते मास्को की बीजिंग पर निर्भरता बढ़ी है।अन्यथा रूस भी इस समूह में एक संतुलक की भूमिका निभाता रहा है। बढ़ते दबदबे का लाभ चीन अपने निहित स्वार्थों को साधने में कर रहा है। पाकिस्तान का पुरजोर समर्थन इसकी पुष्टि करता है। यह किसी से छिपा नहीं है कि आतंकवाद को लेकर चीन कई मौकों पर पाकिस्तान की ढाल बना है और ऐसा ही एक प्रयास उसने एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक में भी किया। यह इससे स्पष्ट झलकता है कि पहलगाम के जिस आतंकी हमले की दुनिया भर में कड़ी भर्त्सना हुई उसका उल्लेख तक एससीओ दस्तावेज में नहीं किया गया।उलटे उस बलूचिस्तान का प्रसंग जोड़ा गया जहां पाकिस्तानी सेना द्वारा स्थानीय लोगों का बर्बरता से किया जा रहा दमन मानवीय उत्पीड़न के नए रिकार्ड बना रहा है। पहलगाम का संदर्भ हटाकर और बलूचिस्तान का मुद्दा जोड़ने की यह कवायद भारत को असहज करने के लिए ही की गई और ऐसी स्थिति में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दस्तावेज पर हस्ताक्षर से किनारा करके बिल्कुल सही किया। असहमति के इस संदेश की गूंज दुनिया भर में सुनी जाएगी।चीन और पाकिस्तान को लेकर अक्सर कहा जाता है कि भारत को दो मोर्चों पर लड़ाई के लिए अपनी तैयारी करनी होगी, लेकिन देखा जाए तो यह दोहरा नहीं, बल्कि एक ही मोर्चा है। हम चीन और पाकिस्तान को अलग करके नहीं देख सकते। चीन का पाकिस्तान प्रेम इस कदर बढ़ चुका है कि उसके लिए वह कोई भी कदम उठाने को तैयार दिखता है।एससीओ के हालिया सम्मेलन की ही बात करें तो किसी भी संगठन में चेयर या प्रमुख की भूमिका वाले देश का एक दायित्व यह भी होता है कि वह समूह के समक्ष आए एजेंडे पर सहमति बनाए। यदि सहमति न भी बना पाए तो ऐसा करने के लिए प्रयासरत तो दिखना चाहिए, लेकिन रक्षा मंत्रियों की बैठक से जुड़े संयुक्त बयान के मामले में चीन ने ऐसी कोई कोशिश तक नहीं की। दोनों देशों की यह मिलीभगत वह दुरभिसंधि दशार्ती है, जिसका भारत को समय रहते कोई तोड़ खोजना होगा।

पाकिस्तान के साथ निपटना भारत के लिए कोई बड़ी बात नहीं, लेकिन उसे मिलता चीन का साथ इस चुनौती को और विकराल बनाता जाएगा।भारत और चीन के संबंधों में भी लंबे समय से तल्खी हावी रही है। पिछले साल अक्टूबर में दोनों देशों के बीच वार्ता से संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में कुछ सहमति बनी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक टैरिफ नीति ने भी दोनों देशों को परस्पर हितों की पूर्ति के लिए साथ आने के लिए कुछहद तक प्रेरित किया है। परिणामस्वरूप संबंधों में कुछ सहजता का भाव बनता दिखा है।कैलास-मानसरोवर यात्रा भी पांच साल बाद फिर से आरंभ हुई है। इस सबके बावजूद इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि पाकिस्तान का पहलू चीन के साथ संबंधों में सदैव एक रोड़ा बना रहेगा। चीन अपने हितों की पूर्ति के लिए भारत को भाव तो देना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान की कीमत पर नहीं। इसलिए भारत को भी चीन के साथ सतर्कता के साथ आगे बढ़ना होगा। पाकिस्तान के अलावा खुद चीन का पिछला रिकार्ड भी इस सतर्कता की आवश्यकता को मुखरता से रेखांकित करता है।इन परिस्थितियों में भारत चीन के साथ तात्कालिक एवं मध्यम अवधि में कुछ बिंदुओं पर आगे बढ़ सकता है, लेकिन दीर्घकालिक भविष्य के लिए उसे चीन की प्रभावी काट के लिए कोई स्थायी उपाय करना ही होगा। अमेरिका को पीछे छोड़कर स्वयं विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति के रूप में स्थापित होने को लालायित चीन कभी नहीं चाहेगा कि उसके पड़ोस में भारत जैसी किसी बड़ी ताकत का उभार हो। यह सुनिश्चित करने में वह अपने स्तर पर तो प्रयास करेगा ही, लेकिन समय-समय पर भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान का भी इस्तेमाल करता रहेगा। आपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाकिस्तान को मिली चीनी मदद के संकेत सामने आए हैं। इसलिए भारत को इस दोहरी चुनौती से निपटने के लिए सामरिक-रणनीतिक के अलावा कूटनीतिक एवं आर्थिक विकल्प भी तलाशने होंगे।किंगदाओ में यह झलक भी देखने को मिली कि चीन-पाकिस्तान की मौजूदगी वाले मंच पर भारत के लिए गुंजाइश सीमित होती जाएगी। यह चीन की सुनियोजित नीति दिखती है। एससीओ दस्तावेज में भी यह दिखा, पर भारत ने भरपूर दृढ़ता दिखाई कि अपने सिद्धांतों की रक्षा के लिए ऐसे किसी मंच पर उसे अगर सदस्य देशों के खिलाफ भी खड़ा होना पड़े तो वह उससे नहीं हिचकेगा।

राशिफल

मेष राशि : करियरः आपको परिवार में किसी सदस्य के करियर से संबंधित कोई फैसला लेना पड़े, तो वह जल्दबाजी में ना लें बिजनेसः आपके कुछ बाहरी लोगों से भी अच्छे संपर्क रहेंगे, जिनका आप पूरा लाभ उठाएंगेधनः आप अपने मित्रों पर कुछ धन भी खर्च कर सकते हैं

वृषभ राशि : करियरः जो लोग लंबे समय से विदेश जाने की योजना बना रहे थे, तो उन्हें कोई शुभ सूचना को मिल सकती है. पद व प्रतिष्ठा बढ़ने से प्रसन्न रहेंगे। बिजनेसः अपनी आय को ध्यान में रखकर व्यय करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा.

मिथुन राशि : करियरः कार्य क्षेत्र में मन मुताबिक लाभ मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा. आपको अपनी किसी प्रिय व मूल्यवान वस्तु के प्रति बहुत ही सावधान रहना होगा. बिजनेसः कुछ नए लोगों से भी मेलजोल बढ़ा कर अपनी किसी समस्या को आसानी से हल कर पाएंगे.धनः धन संबंधित मामले में मिलाजुला रहने वाला है.

कर्क राशि : करियरः आप अपने काम पर पूरी मेहनत करेंगे और निगरानी रखेंगे, तभी आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा. जो लोग राजनीति क्षेत्रों में कार्यरत है, उन्हें सावधान रहना होगाबिजनेसः किसी तरह का शॉर्टकट न अपनाएं धनः बचत करके चलें, नहीं तो दिक्कत हो सकती है.स्वास्थ्यः वाहन सावधानी से चलाएं

सिंह राशि : करियरः धार्मिक कार्य से जुड़ेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी. बिजनेसः व्यापार के मामले में मन में नकारात्मक विचारों को लाने से बचना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है। धनःकिसी गलत आदमी का साथ देने से बचें, धन हानि के योग.

कन्या राशि : करियरः आपको अपनी मेहनत से आज कुछ आगे बढ़ना होगा. किसी पर आश्रित न रहें अन्यथा काम रुक सकता है बिजनेसः कुछ नई योजनाएं बनाने के लिए समय अनुकूल रहने वाला हैधनः ये दिन आपकी आर्थिक स्थिति के लिए मजबूती लेकर आएगा. यदि आप किसी से धन उधार लेंगे

तुला राशि : करियरः दि आप किसी निवेश को करने की योजना बना रहे थे, तो उसमें आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरा अवश्य लें। आपका कोई रुका हुआ काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा. बिजनेसः आप अपने व्यवसाय से जुड़े कामों में कोई बदलाव करने की योजना बना सकते हैं

राशि : करियरः आप किसी व्यावसायिक कार्य के चलते छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं.बिजनेसः सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के मान सम्मान में वृद्धि होगी.धनः वर्तमान स्थितियों में सोच समझ कर कोई निर्णय लेना आपके लिए बेहतर होगा

धनु राशिः करियरः आप अपनी ऊर्जा को सही कामों में लगाएं, तो बेहतर रहेगा. आप कार्य क्षेत्र में काम करने के तौर-तरीकों में बदलाव कर सकते हैंबिजनेसः यदि आप किसी योजना की शुरूआत करना चाहते हैं, तो उसके लिए आज दिन अच्छा रहने वाला है.

धनः आपके अच्छे व्यवहार के कारण आज माहौल खुशनुमा रहेगा. आप अपनी कुछ नीतियों को बनाकर चले, तो आप अच्छा नाम और दाम कमा सकते हैं.

मकर राशिः करियरः आप कार्य क्षेत्र में किसी काम के पूरा होने पर विश्वास बनाए रखेंगे. बिजनेसः आपके किसी काम के पूरा न होने से आपको निराशा हाथ लगेगी। यदि आपने दूसरों से कुछ ज्यादा उम्मीद लगाई है, तो वह आज पूरी नहीं होंगी.

कुंभ राशि : करियरः आज का दिन आपके लिए कार्य क्षेत्र में चल रही समस्याओं से मुक्ति दिलाने वाला रहेगा. आप खुद पर ज्यादा जिम्मेदारी ना लें, नहीं तो बाद में उन्हें आपको निभाने में समस्या हो सकती है.

मीन राशिः करियरः आपको आज किसी काम के पूरा ना होने से निराशा हाथ लगेगी।धनः कार्यक्षेत्र में यदि आपको कोई किसी निवेश संबंधी योजना के बारे में बताएं, तो आपको उसमें निवेश करने से बचना होगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

ललित गर्ग

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है।

भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई।

चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था।

छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के वैश्विक पर्याय थे पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे ,नमन

संजीव ठाकुर

गुदगुदाता हुआ हास्य, तीक्ष्ण व्यंग्य, अद्भुत रचनात्मक शैली के धनी अंतर्राष्ट्रीय हास्य कवि पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे सबको रोता,बिलखता और आंसुओं से भीगता हुआ छोड़ गए। उनका आसामयिक निधन संपूर्ण साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। अपनी स्वयं की मृत्यु पर हास्य पैदा करने वाले और हास्य व्यंग में टाइगर अभी जिंदा है कहने वाले हास्य के शिखर पुरुष व्यंग्य के पुरोधा, छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे जी के निधन से साहित्य जगत स्तब्ध है। उनकी जीवन शैली ऊर्जा और साहित्य के प्रति जिजीविषा सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य और बोली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गगनचुंबी ख्याति प्रदान की है। डॉ सुरेंद्र दुबे जितने उच्च कोटि के कवि थे उतने ही संवेदनशील, सीधे, स्वाभिमानी और गरीब तबके के व्यक्तियों के बड़े हिमायती भी थे। मुझे उनके साथ 15 से 20 मंचों में काव्य पाठ का प्रदेश और देश के विभिन्न स्थानों में सानिध्य प्राप्त हुआ है। वे मुझसे हमेशा अपने छोटे भाई की तरह ही व्यवहार किया करते थे और पूरे समय हास, परिहास, व्यंग एवं मजाक ही किया करते थे। उनकी श्रीमती शशि दुबे मेरे मामा जी की सुपुत्री हैं और रिश्ते में मेरी बड़ी बहन लगती है इस तरह मेरा डॉ सुरेंद्र दुबे जी से रिश्ता साले- जीजा का बड़ा नाजुक और मजाक का ही हुआ करता था। वे मंच में संचालन करते हुए भी मुझ पर मेरा पूरा नाम लेकर व्यंग कसा करते थे और उस हास परिहास में श्रोताओं के साथ कवियों को भी काफी आनंद आया करता था, यह मेरा सौभाग्य था कि वह मुझे इस काबिल समझते थे। छत्तीसगढ़ी भाषा के हास्य व्यंग्य के पुरोधा कवि डॉ सुरेंद्र दुबे छत्तीसगढ़ एवं देश के कवि सम्मेलन की आन बान और शान रहे, छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि सम्मेलनों में डॉक्टर सुरेंद्र दुबे की उपस्थिति अति अनिवार्य होती थी जब भी कोई कवि मंच में दर्शकों द्वारा नापसंद या खारिज किया जाता था तब डॉक्टर सुरेंद्र दुबे ही थे जो मंच को और दर्शकों को पूरी तरह संभाल कर गुदगुदा कर हास्य पैदा कर देते थे जिससे कवि सम्मेलन पूरी तरह सफल हो जाया करता था। व्यक्तिगत तौर पर मैं डॉक्टर सुरेंद्र दुबे जी की कविताओं और उनकी मेहनत लगन तथा ईमानदार व्यक्तित्व का बहुत बड़ा प्रशंसक और अनुयाई रहा हूं। उनका अचानक स्वर्ग सिधार जाना व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए बहुत बड़ी अपूर्णीय क्षति है। छत्तीसगढ़ का हर कवि सम्मेलन उनके बिना अधूरा और अपूर्ण हुआ करता था उनकी हास्य कविताओं से छत्तीसगढ़ प्रदेश का हर नागरिक और देश का हर व्यक्ति बड़ा कायल था। उनकी इस प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें 2010 में भारत सरकार ने पद्मश्री सम्मान से विभूषित किया था। निश्चित तौर पर वे इस सम्मान के सच्चे और सही हकदार थे। देश और प्रदेश के हर कवि सम्मेलन में उनकी उपस्थिति कवि सम्मेलन की सफलता की गारंटी और पर्यायवाची थीह्न 72 वर्षीय हास्य सम्राट कवि डॉक्टर सुरेंद्र दुबे ने 26 जून को शाम 4:00 बजे अपनी अंतिम सांसें ली और स्वर्ग में देवताओं को हंसाने के लिए स्वर्ग सिधार गए। 27 जून 25 को दोपहर बहुत बड़ी संख्या में उनके प्रशंसको की उपस्थिति में उनका अंतिम संस्कार किया गया।उनके निधन पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल माननीय रामेन डेका जी ने श्रद्धांजलि अर्पित की है साथ ही माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत डॉक्टर सुरेंद्र दुबे की आत्मा की शांति तथा शोक संतृप्त परिजनों को दुख सहने के लिए शक्ति और संबल की प्रार्थना की। उन्होंने पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे के निधन को साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति बताया उन्होंने आगे कहा डॉ दुबे जी की जीवंतता, ऊर्जा और साहित्य के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा।

महाराष्ट्र की राजनीति में 20 साल बाद एक मंच पर साथ दिखेंगे उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे, गठबंधन तय!

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है, जहां उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे 20 साल बाद एक साथ आ रहे हैं। दोनों नेता स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के विरोध में 5 जुलाई को एक संयुक्त आंदोलन करेंगे।

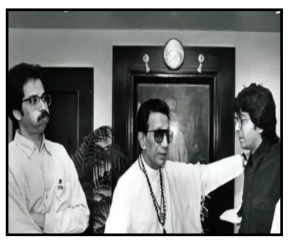

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : हिंदी विरोध ने महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य को बदल दिया है। 20 साल में पहली बार उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक साथ नजर आने वाले हैं। हिंदी को स्कूलों में तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने के खिलाफ दोनों नेताओं ने अलग-अलग विरोध शुरू किया था, लेकिन अब दोनों एक सुर में आवाज उठा रहे हैं। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने 5 जुलाई को एक साझा आंदोलन करने का भी फैसला लिया है ।शिवसेना-उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र के स्कूलों में अनिवार्य हिंदी के खिलाफ एकजुट मार्च निकाला जाएगा। उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे 5 जुलाई को हिंदी थोपे जाने के खिलाफ संयुक्त रूप से विरोध मार्च का नेतृत्व करेंगे ।पहले दोनों अलग-अलग करने वाले थे प्रदर्शनदोनों नेता पहले अलग-अलग विरोध प्रदर्शन करने वाले थे। राज ठाकरे ने 6 जुलाई जबकि उद्धव ठाकरे ने 7 जुलाई को रैली निकालने का ऐलान किया था। इस बीच शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा कि हम हिंदी के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसे जबरन नहीं पढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज और उद्धव ठाकरे दोनों ने स्वतंत्र रूप से इस पर दृढ़ रुख अपनाया। राज ठाकरे ने जो रुख अपनाया है, वही रुख उद्धव ठाकरे ने भी अपनाया है।

महाराष्ट्र के हिंदी विवाद में सचिन तेंदुलकर को मत घसीटो, शरद पवार की राज ठाकरे को सलाह

शरद पवार ने सचिन तेंदुलकर को लेकर कहा कि वह क्रिकेट के बादशाह हैं। सचिन को क्रिकेट के बारे में ही बात करनी चाहिए, न कि हिंदी भाषा के बारे में। उन्होंने राज ठाकरे के बयान का विरोध किया। शरद पवार ने कहा कि किसी खिलाड़ी को इसमें नहीं घसीटा जाना चाहिए।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : शरद पवार ने 5 जुलाई को 'हिंदी थोपने' के खिलाफ होने वाले विरोध मार्च को समर्थन देने का ऐलान किया है। पार्टी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि सचिन तेंदुलकर जैसे मशहूर लोगों पर यह दबाव नहीं डालना चाहिए कि वे महाराष्ट्र के स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य करने पर अपनी राय रखें। उन्होंने कहा कि सचिन से क्रिकेट के बारे में पूछो; हिंदी थोपने पर उनसे राय लेने के लिए मजबूर मत करो ।शरद पवार, राज ठाकरे के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि वे देखना चाहते हैं कि कौन - खासकर मराठी कलाकार और खिलाड़ी - सरकार की इस नीति के खिलाफ विरोध मार्च में शामिल होता है और कौन नहीं।

क्या बोले शरद पवार

शरद पवार ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि राज ठाकरे का क्या मतलब था। सचिन तेंदुलकर पर हिंदी थोपने के मुद्दे पर अपनी राय रखने के लिए दबाव क्यों डालना चाहिए? उनसे क्रिकेट के बारे में पूछो, वह 'बादशाह' हैं, क्रिकेट की दुनिया में एक बड़ा नाम हैं। मैं समझ सकता हूं अगर उनसे क्रिकेट के किसी पहलू के बारे में उनकी राय पूछी जाए।'

राज ठाकरे के बयान पर बोले- ऐसा कहना ठीक नहीं

शरद पवार ने आगे कहा, 'ऐसे व्यक्तित्वों से उन मुद्दों के बारे में न पूछें जो उनसे संबंधित नहीं हैं। हिंदी थोपने का मुद्दा हमारे लिए महत्वपूर्ण है। किसी से उनकी राय मांगना और यह कहना कि 'देखेंगे कौन विरोध में आता है और कौन नहीं' अच्छा नहीं है।'

क्या बोले जयंत पाटिल

प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने कहा, 'हम प्राथमिक विद्यालय के छात्रों पर हिंदी थोपने के खिलाफ हैं। हमने विरोध मार्च में भाग लेने का फैसला किया है। शरद पवार ने यह भी कहा कि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन किसी को भी मशहूर लोगों पर दबाव नहीं डालना चाहिए।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चीफ राज ठाकरे 5 जुलाई को मुंबई में एक मार्च निकालने वाले हैं। यह मार्च राज्य के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को अनिवार्य भाषा बनाने के खिलाफ होगा। ने राज ठाकरे के 5 जुलाई के मुंबई मार्च को समर्थन देने की बात कही है।

फास्ट ट्रैक

पश्चिम रेलवे द्वारा दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का नवापुर और सिंधखेड़ा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 09079/09080 और ट्रेन संख्या 09081/09082 उधना - मिरज आषाढ़ी एकादशी स्पेशल को नवापुर और सिंदखेड़ा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:-

04 जुलाई, 2025 को उधना स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09079 उधना - मिरज स्पेशल को नवापुर और सिंदखेड़ा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान गया है। यह ट्रेन नवापुर स्टेशन पर 13:05 बजे पहुंचेगी और 13:07 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन सिंदखेड़ा स्टेशन पर 14:18 बजे पहुंचेगी और 14:20 बजे प्रस्थान करेगी।

05 जुलाई, 2025 को मिरज स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09080 मिरज - उधना स्पेशल को सिंदखेड़ा और नवापुर स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन सिंदखेड़ा स्टेशन 00:50 बजे पहुंचेगी और 00:52 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन नवापुर स्टेशन पर 02:13 बजे पहुंचेगी और 02:15 बजे प्रस्थान करेगी।

05 जुलाई, 2025 को उधना स्टेशन से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 09081 उधना - मिरज स्पेशल को नवापुर और सिंदखेड़ा स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन नवापुर स्टेशन पर 13:05 बजे पहुंचेगी और 13:07 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन सिंदखेड़ा स्टेशन पर 14:18 बजे पहुंचेगी और 14:20 बजे प्रस्थान करेगी।

06 जुलाई, 2025 , को मिरज स्टेशन से प्रस्?थान करने वाली ट्रेन संख्या 09082 मिरज - उधना स्पेशल को सिंदखेड़ा और नवापुर स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन सिंदखेड़ा स्टेशन 00:50 बजे पहुंचेगी और 00:52 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन नवापुर स्टेशन पर 02:13 बजे पहुंचेगी और 02:15 बजे प्रस्थान करेगी। विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर विजिट कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे ने सात जोड़ी साप्ताहिक विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, यात्रियों की सुविधा के लिए और यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए, पश्चिम रेलवे ने सात जोड़ी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनों के फेरों का विस्तार किया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

1. ट्रेन नंबर 09043/09044 बांद्रा टर्मिनस - बढ़नी स्पेशल

ट्रेन नंबर 09043 बांद्रा टर्मिनस - बढ़नी स्पेशल को 27 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09044 बढ़नी - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल को 28 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन नंबर 09025/09026 वलसाड - दानापुर स्पेशल

ट्रेन नंबर 09025 वलसाड - दानापुर स्पेशल को 28 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09026 दानापुर - वलसाड स्पेशल को 29 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

3. ट्रेन नंबर 09007/09008 वलसाड - खातीपुरा स्पेशल

ट्रेन नंबर 09007 वलसाड - खातीपुरा स्पेशल को 25 सितंबर 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09008 खातीपुरा - वलसाड स्पेशल को 26 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

4. ट्रेन नंबर 09031/09032 उधना - जयनगर स्पेशल

ट्रेन नंबर 09031 उधना - जयनगर स्पेशल को 27 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09032 जयनगर - उधना स्पेशल को 28 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

5. ट्रेन नंबर 09045/09046 उधना - पटना स्पेशल

ट्रेन नंबर 09045 उधना - पटना स्पेशल ट्रेन की अवधि 1 अगस्त, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09046 पटना - उधना स्पेशल को 2 अगस्त, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

6. ट्रेन नंबर 09343/09344 डॉ. अंबेडकर नगर - पटना स्पेशल

ट्रेन नंबर 09343 डॉ. अंबेडकर नगर - पटना स्पेशल को 31 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09344 पटना - डॉ अंबेडकर नगर स्पेशल को 1 अगस्त, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

7. ट्रेन नंबर 09195/09196 वडोदरा - मऊ स्पेशल

ट्रेन नंबर 09195 वडोदरा - मऊ स्पेशल को 28 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी तरह, ट्रेन नंबर 09196 मऊ - वडोदरा स्पेशल को 29 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन नंबर 09043, 09025, 09007, 09031, 09045, 09343 और 09195 की विस्तारित यात्राओं के लिए बुकिंग 29 जून, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। ट्रेन के ठहराव, समय और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.inपर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

बांग्लादेशी घुसपैठियो को काम पर रखा तो जाएंगे जेल, मकान मालिक भी पकड़े जाएंगे, महाराष्ट्र सरकार का सर्कुलर

महाराष्ट्र सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर नया नियम बनाया है। अब मालिकों को अवैध रूप से काम कर रहे बांग्लादेशियों के रहने का इंतजाम करना होगा। सरकार दस्तावेजों की जांच के लिए ऑनलाइन सिस्टम शुरू करेगी। पुलिस जांच में पता चला है कि कई बांग्लादेशी घुसपैठिए विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : महाराष्ट्र सरकार ने एक नया नियम निकाला है। यह नियम उन लोगों पर लागू होगा जो बांग्लादेश से गैरकानूनी तरीके से भारत में आए हैं और यहां काम कर रहे हैं। सरकार ने कहा है कि अगर कोई मालिक ऐसे लोगों को काम पर रखता है, तो उसे जिम्मेदार माना जाएगा। इसका मतलब है कि मालिक को ही उन लोगों के रहने का इंतजाम करना होगा। सरकार इसके लिए कानून में बदलाव भी कर सकती है। महाराष्ट्र गृह विभाग ने एक सर्कुलर जारी किया है। इसमें कहा गया है कि सरकार दस्तावेजों की जांच के लिए एक ऑनलाइन सिस्टम शुरू करेगी। पुलिस जांच में पता चला है कि कई बांग्लादेशी घुसपैठिए बिल्डरों, छोटे-बड़े उद्योगों, व्यापारियों और अन्य जगहों पर काम कर रहे हैं। वे कम पैसे में काम करने को तैयार हो जाते हैं। सर्कुलर में कहा गया है कि इन लोगों को यह नहीं पता कि ऐसा करने से देश की सुरक्षा को खतरा हो सकता है।

हिंदू नाम से रह रहा था भारत में

मार्च में ही, गृह मंत्री योगेश कदम ने विधानसभा में कहा था कि सरकार ने मुंबई के बिल्डरों और ठेकेदारों से यह लिख कर देने को कहा है कि वे किसी भी बांग्लादेशी को काम पर नहीं रखेंगे। यह मामला तब सामने आया जब एक बांग्लादेशी नागरिक, जो गैरकानूनी तरीके से भारत में घुसा था और विजय दास के नाम से रह रहा था, उसने अभिनेता सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर में घुसकर उन पर और उनके स्टाफ पर हमला कर दिया था। वह चोरी करने आया था।

महाराष्ट्र में मंत्री नितेश राणे की मुश्किलें बढ़ी, संजय राउत की शिकायत पर कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: महाराष्ट्र में अपने फायरब्रांड बयानों से सुर्खियों में रहने वाले बीजेपी नेता और देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री नितेश राणे की मुश्किलें बढ़ती दिख रही है। मुंबई की एक अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे नितेश राणे के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत से जुड़ा है। राउत ने 2023 में महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे के खिलाफ दायर की गई मानहानि की एक शिकायत के सिलसिले में भाजपा नेता के खिलाफ बृहस्पतिवार को एक गैर जमानती वारंट जारी किया। अदालत ने पिछले महीने मामले की सुनवाई में उपस्थित न होने पर राणे के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने मां की याचिका पर मृत बेटे के वीर्य को सुरक्षित रखने का दिया आदेश

बॉम्बे हाई कोर्ट एक बेहद ही अलग तरह के मामले में मृत युवक के वीर्य को सुरक्षित करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने आईवीएफ सेंटर से कहा है कि मामले की सुनवाई तक सीमेन के सुरक्षित सैंपल को नष्ट नहीं किया जाए। कोर्ट ने यह आदेश मृत युवक की मां की याचिका पर दिया है।

महाराष्ट्र में 8 जगहों पर 'सी प्लेन' भरेंगे उड़ान, पर्यटन को बढ़ावा देना मकसद, कितना किराया

देश में पर्यटन को बढ़ावा देने और दूरदराज के इलाकों को हवाई सेवा से जोड़ने के मकसद से देशभर में 150 रूटों पर सी प्लेन सेवा शुरू करने की योजना है। इसमें महाराष्ट्र के आठ स्थानों को शामिल किया गया है। इसका टिकट डेढ़ से दो हजार रुपये हो सकता है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: देश में पर्यटन को बढ़ावा देने और दूरदराज के इलाकों को हवाई संपर्क से जोड़ने के लिए देशभर में 150 रूटों पर सी प्लेन सेवा शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। इसमें महाराष्ट्र के आठ स्थानों को शामिल किया गया है। केंद्र सरकार की 'उड़ान 5.5' योजना में हेलीकॉप्टर और सी प्लेन सेवाओं को शामिल किया गया है। किन राज्यों में होगी शुरूआत ?नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सी प्लेन सेवाओं के लिए शुरूआती चरण में केरल, आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार, महाराष्ट्र और लक्षद्वीप राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का चयन किया है। इन जगहों के जलाशयों, नदियों और बैकवाटर से हवाई परिवहन की सुविधा दी जाएगी। इस परियोजना के लिए कनाडा की 'डी हैविलैंड एयरक्राफ्ट' कंपनी के विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा ।कौन सी कंपनियों ने दिखाई दिलचस्पी ?इंडिगो और पवन हंस जैसी कंपनियां देश में सी प्लेन सेवा शुरू करने में रुचि रखती हैं। इस 'सी प्लेन' का टिकट डेढ़ से दो हजार रुपये हो सकता है। इन सेवाओं के लिए उड़ान योजना के तहत प्रोत्साहन भी दिया जाएगा। नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर के अंत तक इस सेवा का विस्तार पूरे देश में किया जाएगा ।नासिक में 2014 में हुआ था सी प्लेन का परीक्षणवर्ष 2014 में जब छगन भुजबल पालकमंत्री थे, तब नासिक के गंगापुर बांध में सी-प्लेन का परीक्षण किया गया था।

रेल ने आषाढ़ी मेला 2025 के लिए सोलापुर मंडल के पंढरपुर तक 12 अनारक्षित ट्रेनों के रूट बढ़ाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

भारतीय रेल ने आषाढ़ी मेला 2025 में भाग लेने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधाजनक यात्रा के लिए सोलापुर मंडल के पंढरपुर तक 12 नियमित अनारक्षित ट्रेनों के रूट को अस्थायी रूप से बढ़ाया है, जिसका विवरण इस प्रकार है:

कैसल रॉक-मिरज (पंढरपुर) अनारक्षित एक्सप्रेस (6 ट्रिप)

- ट्रेन संख्या 17334 कैसल रॉक-मिरज अनारक्षित एक्सप्रेस 4.7.2025 से 9.7.2025 तक अस्थायी रूप से मिरज के बजाय पंढरपुर तक विस्तारित रूट पर चलेगी (6 ट्रिप)

(मिरजः आगमन - 00:20 बजे प्रस्थान - 00:50 बजे; पंढरपुरः आगमन - 03:00 बजे)

मिरज (पंढरपुर)-हुब्बल्लि अनारक्षित एक्सप्रेस (6 ट्रिप)

- ट्रेन संख्या 17331 मिरज-हुब्बल्लि अनारक्षित एक्सप्रेस अस्थायी रूप से विस्तारित मार्ग पर चलेगी तथा 5.7.2025 से 10.7.2025 तक मिराज के बजाय पंढरपुर से चलेगी (6 ट्रिप)

(पंढरपुरः प्रस्थान - 04:00 बजे; मिरजः आगमन - 06:45 बजे प्रस्थान - 07:15 बजे)

अन्य स्टेशनों के लिए समय में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

बुकिंगः अनारक्षित कोचों के लिए बुकिंग स्टेशनों पर बुकिंग काउंटरों तथा यूटीएस ऐप के माध्यम से भी की जा सकती है।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे असुविधा से बचने के लिए वैध टिकट के साथ यात्रा करें।

इन विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय तथा ठहराव के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं अथवा एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

मध्य रेल आरपीएफ कर्मी - रियल हीरो - खोए हुए बच्चों को बचाने और जान बचाने वाले

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत खोए हुए बच्चों को बचाने और ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत जान बचाने के साथ रियल हीरो के रूप में उभरे हैं। इन विभिन्न ऑपरेशनों का विवरण इस प्रकार है:

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत आरपीएफ खोए हुए/घर से भागे हुए बच्चों को खोजने और बचाने और उन्हें उनके माता-पिता/अभिभावकों से फिर से मिलाने के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अप्रैल से मई- 2025 की अवधि के दौरान, मध्य रेल के आरपीएफ ने गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी), अन्य फ्रंटलाइन रेलवे कर्मचारियों और चाइल्डलाइन जैसे गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय करके पिछले साल इसी अवधि के दौरान 149 बच्चों की तुलना में कुल 235 बच्चों को बचाया और उन्हें उनके परिवारों से फिर से मिलाने में मदद की है। इसमें अप्रैल 2025 में 114 बच्चे और मई 2025 में 121 बच्चे शामिल हैं, जबकि अप्रैल 2024 में 56 बच्चे और मई 2024 में 93 बच्चे शामिल हैं। मध्य रेल पर अप्रैल से मई-2025 के दौरान बचाए गए बच्चों का मंडलवार और तुलनात्मक ब्योरा अप्रैल से मई-2024 के मुकाबले निम्नानुसार है: -

जो बच्चे किसी लड़ाई-झगड़े या पारिवारिक समस्याओं के चलते या बेहतर जीवन या शहर की चकाचौंध की तलाश में अपने परिजनों को बताए बिना रेलवे स्टेशन पर आ जाते हैं, उन्हें प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मी ढूंढ़ लेते हैं। ये प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मी बच्चों से जुड़ते हैं, उनकी समस्याओं को समझते हैं और उन्हें उनके माता-पिता से मिलाने के लिए परामर्श देते हैं। कई माता-पिता इस नेक सेवा के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता और आभार व्यक्त करते हैं।

ऑपरेशन जीवन रक्षा

आरपीएफ कर्मी हमेशा से न केवल रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा में चौबीसों घंटे निगरानी रखने में सबसे आगे रहे हैं, बल्कि कई बार जीवन रक्षक की भूमिका भी निभाते रहे हैं। अधिकांश मामलों में सतर्क आरपीएफ ने उन यात्रियों की जान बचाई है, जो कभी-कभी लापरवाह होते हैं और चलती ट्रेन में चढ़ते या उतरते समय खतरे का सामना करते हैं। मध्य रेल आरपीएफ कर्मियों ने ऑपरेशन जीवन रक्षक के तहत अप्रैल-मई 2025 के दौरान 12 लोगों (9 पुरुष और 3 महिला) की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 7 लोगों (5 पुरुष और 2 महिला) की जान बचाई गई थी। रेलवे सुरक्षा बल के इन बहादुर जवानों के कार्यों को सुरक्षा, सतर्कता और सेवा के रूप में संक्षेपित किया जा सकता है और उन्होंने अत्यंत समर्पण, सतर्कता और साहस के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है।

पश्चिम रेलवे

एसी ईएमयू रेक्स

मंडल रेल प्रबंधक (रोलिंग स्टॉक), ईएमयू कारशेड, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे, मुंबई – 400034 ई-निविदा आमंत्रित करते हैं. **ई-निविदा क्र. : डीआरएम/आरएस/2025-26/2 दिनांक : 24.06.2025. कार्य का नाम : सीमेन्स, बीटी, मेधा एवं बीएचईएल एसी ईएमयू रेक्स में लगाए गए एपीसी रिसीवर (कैट. क्र. 062/010084) (निर्माता : यूनिपार्ट रेल, यूके) की मरम्मत, सेवा एवं सभी दोषपूर्ण भागों का प्रतिस्थापन. कार्य की अनुमानित लागत : रू. 40,80,912/-, बयाना राशि : रू. 81,600/-, जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 18.07.2025 को अपराह्न 15.00 बजे तक निर्धारित विधि में, निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 18.07.2025 को अपराह्न 15.30 बजे.** अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0330

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

फायर फाइटिंग प्रणाली का अधिष्ठापन

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, 6ठी मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा **ई-निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/101 दिनांक : 26.06.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान : दादर (गगनचुंबी इमारत) : 1825 दिन की अवधि हेतु दादर की मल्टीस्टोरी इमारत में स्थापित फायर फाइटिंग प्रणाली का संचालन. कार्य की अनुमानित लागत : रू. 1,26,57,094.97, बयाना राशि : रू. 2,13,300/-, प्रस्तुत करने की तिथि एवं समय : 22.07.2025, दोपहर 15.00 बजे तक, निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 22.07.2025 को दोपहर 15.30 बजे.** अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0334

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मुंबई सेंट्रल मंडल पर विभिन्न स्टेशनों पर वॉटर वेंडिंग मशीनों की स्थापना हेतु ई-नीलामी

विभिन्न स्टेशनों पर वॉटर वेंडिंग मशीनों के लिए **जुलाई 2025** माह हेतु ई-नीलामी आयोजित की जा रही है.

नीलामी पुस्तिका क्र. : बीसीटी-सीटीजी-25-डब्ल्यूवीएम5 | ई-नीलामी दिनांक : 10.07.2025

अ.क्र.	लॉट क्र.	स्टेशन	स्टेशन की श्रेणी	स्थान
एए/1	एमएसएस-बीसीटी-वापी-डब्ल्यूवीएम-54-25-4	वापी एवं वलसाड	ए	04-वापी, 04-वलसाड
एए/2	एमएसएस-बीसीटी-एनवीएस-डब्ल्यूवीएम-65-25-1	उदवाड़ा, बिलीमोरा, नवसारी	ए, बी	02-उदवाड़ा, 02-बिलीमोरा, 02-नवसारी
एए/3	एमएसएस-बीसीटी-पीएलजी-डब्ल्यूवीएम-63-25-1	पालघर, बोईसर, दहाणू रोड	सी	02-पालघर, 02-बोईसर, 02-दहाणू रोड
एए/4	एमएसएस-बीसीटी-एनडीबी-डब्ल्यूवीएम-61-25-1	व्यारा, नंदुरबार, दोंडाइचा, अमलनेर	बी, डी, ई	02-व्यारा, 03-नंदुरबार, 01- दोंडाइचा, 01-अमलनेर
एए/5	एमएसएस-बीसीटी-एसएएच-डब्ल्यूवीएम-62-25-1	वैतरणा, सफाले, केलवे रोड, वानगांव	सी	01-वैतरणा, 01- सफाले, 01- केलवे रोड, 01-वानगांव
एए/6	एमएसएस-बीसीटी-वीआर-डब्ल्यूवीएम-64-25-1	दहिसर, मीरा रोड, भायंदर, नायगांव, वसई रोड, नालासोपारा, विरार	सी	01-दहिसर, 02-मीरा रोड, 01-भायंदर, 01-नायगांव, 03-वसई रोड, 02-नालासोपारा, 03-विरार

यूनिट का प्रकार : वॉटर वेंडिंग मशीन, **ई-नीलामी का समय** : 12.00 बजे

टिप्पणी: इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल का अवलोकन करें. उक्त पुस्तिका अंतर्गत लॉटवार विवरण वहां उपलब्ध है. 0331

Like us on : facebook.com/WesternRly | Follow us on : twitter.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे की ओर से उधना - मंगलुरु जं. के बीच संचालित द्वि-साप्ताहिक विशेष गाड़ी के फेरों का विस्तार

गाड़ी सं.	प्रस्थान स्टेशन	गंतव्य स्टेशन	संचालन दिवस	तिथि तक विस्तारित
09057	उधना	मंगलुरु जं.	बुधवार, रविवार (द्वि-साप्ताहिक)	28.09.2025
09058	मंगलुरु जं.	उधना	गुरुवार, सोमवार (द्वि-साप्ताहिक)	29.09.2025

ठहरावों और संयोजन की समय-सारिणी के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्रीगण कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** का अवलोकन करें.

सभी पीआरएस काउंटर्स पर और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर गाड़ी क्र. 09057 के लिए बुकिंग दि. 29.06.2025 से शुरू होगी. उपरोक्त गाड़ी को विशेष किराये पर विशेष गाड़ी के तौर पर संचालित किया जाएगा.

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly

PLEASE CARRY ORIGINAL ID PROOF FOR ALL RESERVED TICKETS

पश्चिम रेल्वे द्वारा सात जोड़ी साप्ताहिक विशेष गाड़ियों फेरों का विस्तार

गाड़ी सं.	प्रस्थान स्टेशन	गंतव्य स्टेशन	संचालन दिवस	तिथि तक विस्तारित
09043	बांद्रा टर्मिनस	बढ़नी	रविवार (साप्ताहिक)	27.07.25
09044	बढ़नी	बांद्रा टर्मिनस	सोमवार (साप्ताहिक)	28.07.25
09025	वलसाड	दानापुर	सोमवार (साप्ताहिक)	28.07.25
09026	दानापुर	वलसाड	मंगलवार (साप्ताहिक)	29.07.25
09007	वलसाड	खातीपुरा	गुरुवार (साप्ताहिक)	25.09.25
09008	खातीपुरा	वलसाड	शुक्रवार (साप्ताहिक)	26.09.25
09031	उधना	जयनगर	रविवार (साप्ताहिक)	27.07.25
09032	जयनगर	उधना	सोमवार (साप्ताहिक)	28.07.25
09045	उधना	पटना	शुक्रवार (साप्ताहिक)	01.08.25
09046	पटना	उधना	शनिवार (साप्ताहिक)	02.08.25
09343	डॉ. आंबेडकर नगर	पटना	गुरुवार (साप्ताहिक)	31.07.25
09344	पटना	डॉ. आंबेडकर नगर	शुक्रवार (साप्ताहिक)	01.08.25
09195	वडोदरा	मऊ	सोमवार (साप्ताहिक)	28.07.25
09196	मऊ	वडोदरा	मंगलवार (साप्ताहिक)	29.07.25

टिप्पणी: गाड़ी संख्या 09007/09008 को अब दोनों दिशाओं में कनकपुरा स्टेशन के स्थान पर जयपुर स्टेशन पर ठहराव दिया गया है.

ठहरावों के समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए कृपया **www.enquiry.indianrail.gov.in** का अवलोकन करें.

गाड़ी संख्या 09043, 09025, 09007, 09031, 09045, 09343 एवं 09195 के विस्तारित फेरों के लिए बुकिंग 29.06.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर प्रारंभ होगी. उपरोक्त गाड़ियाँ विशेष किराए पर विशेष गाड़ियों के रूप में चलाई जाएंगी.

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly

PLEASE CARRY ORIGINAL ID PROOF FOR ALL RESERVED TICKETS

मुंबई महानगर क्षेत्र की पहली 'अंतरिक्ष शिक्षा प्रयोगशाला' ठाणे में होगी स्थापित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,शहर के अंबर इंटरनेशनल स्कूल और 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' (इसरो) के अंतरिक्ष ट्यूटर कार्यक्रम व्योमिका स्पेस अकादमी के बीच शनिवार, 28 जून को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में स्थित पहली अंतरिक्ष शिक्षा प्रयोगशाला ठाणे के स्थित 'अंबर इंटरनेशनल स्कूल' में लक्ष्मण कदम के नेतृत्व में स्थापित की जाएगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पहल के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई ।ठाणे और मुंबई महानगर क्षेत्र के स्कूली छात्रों के लिए अंतरिक्ष अनुसंधान के द्वार खोलने के उद्देश्य से शारदा एजुकेशन सोसाइटी के अंबर इंटरनेशनल स्कूल में एक अंतरिक्ष शिक्षा प्रयोगशाला स्थापित की जाएगी। इसरो के स्पेस ट्यूटर प्रोग्राम के तहत स्थापित की जाने वाली लैब के निर्माण को लेकर शनिवार को अंबर इंटरनेशनल स्कूल और व्योमिका स्पेस एकेडमी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर अंतरिक्ष शोध विद्वान डॉ. प्रतीक मुंगेकर, व्योमिका स्पेस एकेडमी के गोविंद यादव, शारदा एजुकेशन सोसायटी के सचिव डॉ. प्रदीप धवल, अंबर इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक लक्ष्मण कदम, शारदा एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष विलास थुसे, कल्पेश जाधव (कार्यक्रम एवं प्रशासन प्रमुख), दिलीप त्रिपाठी, इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. टीएन सुरेशकुमार, शिक्षक, गैर-शिक्षण कर्मचारी, अंबर इंटरनेशनल स्कूल के अभिभावक और छात्र तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित थे। इस अवसर पर अंबर इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक लक्ष्मण कदम ने भी अपनी भूमिका व्यक्त करते कहा कि यह स्पेस लैब छात्रों को अधिक से अधिक व्यस्त रखने पर ध्यान केंद्रित करेगी। निदेशक लक्ष्मण कदम ने कहा कि

हमारा उद्देश्य भविष्य के अंतरिक्ष यात्री, खगोल भौतिकीविद्, अंतरिक्ष वैज्ञानिक और एयरोस्पेस इंजीनियर तैयार करना है। व्योमिका स्पेस एकेडमी के गोविंद यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि इस लैब के माध्यम से छात्रों को अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र का बुनियादी परिचय मिलेगा और छात्र इस क्षेत्र की ओर आकर्षित होंगे। इसकी पहल करने वाले अंतरिक्ष शोधकर्ता प्रो. डॉ. प्रतीक मुंगेकर ने कहा कि शिक्षा सामाजिक गतिशीलता का एक साधन है। इसके माध्यम से छात्रों को ज्ञान के मामले में सशक्त बनाना और उन्हें पेशेवर अवसर प्रदान करना आवश्यक है। महाराष्ट्र में अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की कमी के कारण, राज्य अपनी प्रतिभा और गुणवत्ता के बावजूद इस क्षेत्र में कम प्रतिनिधित्व करता है। डॉ. मुंगेकर ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि छात्रों को अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र से परिचित कराने के लिए स्कूली उम्र में विशेष बुनियादी ढांचा और मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है, तो इस क्षेत्र में मराठी भाषियों का प्रतिशत बढ़ जाएगा। महाराष्ट्र एक औद्योगिक और शैक्षणिक रूप से उन्नत राज्य है और महाराष्ट्र में देश के अंतरिक्ष क्षेत्र में बड़ा योगदान देने की क्षमता है। डॉ. मुंगेकर ने इस अवसर पर कहा कि स्कूलों में अंतरिक्ष विज्ञान और नवाचार प्रयोगशालाओं की स्थापना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के छात्रों को प्रौद्योगिकी की दुनिया से जोड़ सकती है। शारदा एजुकेशन सोसायटी के सचिव प्रो. डॉ. प्रदीप धवल ने बताया कि इस अंतरिक्ष प्रयोगशाला के माध्यम से शिक्षा को रोचक और प्रेरणादायी बनाना उद्देश्य है। प्रोफेसर डॉ. धवल ने कहा कि महाराष्ट्र में डॉ. जयंत नार्लीकर, डॉ. अनिल काकोडकर, डॉ. रघुनाथ माशेलकर जैसे महान विज्ञान शोधकताओं की उज्ज्वल परंपरा है। ऐसी पहलों को लागू करते समय उनकी प्रेरणा हमारे सामने है। इसीलिए मुंबई महानगर क्षेत्र में अंबर इंटरनेशनल स्कूल में पहली अंतरिक्ष शिक्षा प्रयोगशाला स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। यह प्रयोगशाला भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के मानकों के अनुसार स्थापित की जाएगी और ठाणे के छात्रों को प्रख्यात वैज्ञानिकों और शोधकताओं द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा, ऐसा विश्वास इस अवसर पर प्रो. डॉ. धवल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर इसरो के प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. टी. एन. सुरेश कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे और उन्होंने इस समझौता ज्ञापन के लिए संबंधित पक्षों को बधाई दी और प्रयोगशाला की स्थापना के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसी प्रयोगशालाओं के कारण अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल होगा। डॉ. टी. एन. सुरेश कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि ये प्रयोगशालाएं विद्यार्थियों में रचनात्मकता और विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करेंगी।

फास्ट ट्रैक

बेलापुर के पारसिक हिल में खतरनाक इमारत को हटाने की कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , बेलापुर के पारसिक हिल की खतरनाक इमारत को हटाने की कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में बेलापुर मंडल कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी तथा अतिक्रमण विभाग के सुरक्षा गार्ड काम कर रहे थे। 2 जेसीबी, 1 फॉकलैंड और 10 मजदूरों की मदद से यह कार्रवाई की गई ।प्लॉट नंबर 59, सेक्टर-26, पारसिक हिल, सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई में स्थित उक्त खतरनाक इमारत को वर्ष 2020-2021 के लिए सी-2बी श्रेणी में आने की घोषणा की गई। संबंधितों को दिनांक 16.08.2024 और 22.05.2025 के पत्रों के माध्यम से उक्त इमारत की संरचनात्मक जांच के बारे में सूचित किया गया था। हालाँकि, 27 जून को जब यह देखा गया कि इस इमारत का कुछ हिस्सा ढह गया है, तो सुरक्षा की दृष्टि से संभावित नुकसान से बचने के लिए इस निर्जन इमारत को खाली करा हटाने की कार्रवाई की गई।

कावेसर उद्यान के सौंदर्यीकरण का विरोध करने वाले बाहरी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , कावेसर उद्यान के सौंदर्यीकरण को लेकर हीरानंदानी एस्टेट फेडरेशन द्वारा आज ठाणे मनपा उद्यान विभाग के अधिकारियों और हीरानंदानी एस्टेट के निवासियों के बीच एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में 'बाहरी लोग' जो स्थानीय निवासी नहीं हैं वे बैठक को बाधित करने की कोशिश की। सौंदर्यीकरण के बारे में हमारी शंकाओं का समाधान हो गया है और जल्द से जल्द काम शुरू होना चाहिए। ऐसा सुझाव इस अवसर पर हीरानंदानी एस्टेट वरिष्ठ नागरिक फाउंडेशन के सदस्यों ने दिया। इस बैठक में सौंदर्यीकरण चाहने वाले और इस सौंदर्यीकरण के खिलाफ लोगों के साथ-साथ तालाब क्षेत्र में इमारतों के निवासियों को आमंत्रित किया गया था। बैठक शुरू होते ही सौंदर्यीकरण का विरोध करने वाले नागरिकों ने बैठक को बाधित करने की कोशिश की। आयोजकों और संयोजकों ने विरोध कर रहे नागरिकों से शांत बैठकर समझने का अनुरोध किया कि मनपा किस तरह से कवेसर पार्क का सौंदर्यीकरण करने जा रहा है। इसके बाद हंगामा कर रहे कुछ नागरिक बैठक छोड़कर चले गए। इसके बाद कुछ नागरिक बैठक में वापस आकर बैठ गए। बताया गया कि इस सौंदर्यीकरण में कंक्रीटिंग नहीं की जाएगी। यह भी स्पष्ट किया गया कि इस पार्क के सौंदर्यीकरण से तालाब को कोई खतरा नहीं होगा। मनपा की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि सभी सौंदर्यीकरण कानून के अनुसार स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए किया जाएगा। सभी नागरिकों ने इस बात पर सहमति जताई कि यह सौंदर्यीकरण बहुत अच्छे तरीके से किया जाएगा ।उपस्थित नागरिकों ने इस बात पर भी सहमति जताई कि कुछ नागरिक सोशल मीडिया पर इस सौंदर्यीकरण के बारे में गलत जानकारी फैला रहे हैं। मनपा के माध्यम से कुछ नागरिकों की शंकाओं का समाधान भी किया गया और नागरिकों को आश्वस्त किया गया कि संबंधित सौंदर्यीकरण सभी के हित में होगा। उपस्थित नागरिकों ने मनपा से शीघ्र ही सौन्दर्यीकरण कार्य शुरू करने का अनुरोध भी किया।

मुंबई विश्वविद्यालय के उप केंद्र को विधायक निधि से मिले 30 कंप्यूटर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे के मुंबई विश्वविद्यालय के धर्मवीर आनंद दिघे उपकेंद्र में शैक्षणिक सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए अपने विधान परिषद सदस्य एड निरंजन डावखरे ने विधायक निधि से 30 कंप्यूटर के साथ प्रिंटर, 15 कक्षाओं के लिए अत्याधुनिक साउंड सिस्टम और 2 टेलीविजन सेट के साथ-साथ पूरे परिसर की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराया है। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए उठाया गया यह कदम बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस उपकेंद्र में बीबीए एलएलबी, बीएमएस, एमएमएस जैसे महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं, जो ठाणे जिले के असंख्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं। विधायक डावखरे ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और नवीनतम सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से यह निधि दी है। इस सुविधा से न केवल विद्यार्थियों की शिक्षा में सुधार होगा, बल्कि शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के दैनिक कार्यों में भी अधिक दक्षता आएगी ।ठाणे स्थित मुंबई विश्वविद्यालय उप केंद्र परिसर में आयोजित इन सुविधाओं के उद्घाटन समारोह में विधायक एड निरंजन डावखरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर मुंबई विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रवींद्र कुलकर्णी कार्यक्रम के अध्यक्ष थे। प्रो वाइस चांसलर डॉ. अजय भामरे, रजिस्ट्रार डॉ. प्रसाद करंडे और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक अधिवक्ता निरंजन डावखरे ने शिक्षा क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। हम सभी को एक साथ आकर शैक्षिक दृष्टिकोण से मुंबई विश्वविद्यालय के समग्र विकास और छात्रों को इसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता है। आज, विश्व स्तर के विश्वविद्यालय भारत में आ रहे हैं और महाराष्ट्र इसमें एक महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु बन रहा है। परिणामस्वरूप, मुंबई विश्वविद्यालय अब वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा है। इस प्रतिस्पर्धा में शामिल अन्य विश्वविद्यालयों के पास निधि की कमी नहीं है, लेकिन हम सभी मुंबई विश्वविद्यालय के साथ मजबूती से खड़े हैं।

उल्हासनगर मेट्रो परियोजना से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट पर अंतिम कार्यवाही प्रारंभ

स्थानीय आमदार कुमार आयलानी द्वारा विगत कई वर्षों से किया जा रहा था प्रयास।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा शुक्रवार 27 जून को ठाणे-कल्याण-भिवंडी मेट्रो मार्ग परियोजना समीक्षा बैठक के आयोजन किया गया। इस समीक्षा बैठक में कल्याण से उल्हासनगर मेट्रो मार्ग 5 अ के बारे में भी विस्तृत चर्चा हुई तथा परियोजना रिपोर्ट पर अंतिम कार्यवाही भी प्रारंभ कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण बैठक से इस रूट पर मेट्रो मार्ग बनाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम आगे बढ़ाया जा चुका है।

स्थानीय आमदार कुमार आयलानी द्वारा विगत कई वर्षों से मेट्रो मार्ग को उल्हासनगर तक लाने के लिए शासन स्तर पर निरंतर पत्र व्यवहार के साथ साथ संबंधित मंत्रियों से भी मुलाकात भी की जा रही थी। उन्होंने अपनी तरफ से उल्हासनगर जो एक व्यापारिक शहर के रूप में जाना जाता है के विकास में मेट्रो की आवश्यकता पर बराबर बल डाला जा रहा है। इस परियोजना से उल्हासनगर के व्यावसायिक उन्नति पर गुणोत्तर असर पड़ेगा।

दुगार्डी से कल्याण व उल्हासनगर के बीच बनाई जाने वाली 11.83 किमी की मेट्रो लाइन 5 अ के बीच 7 स्टेशन होंगे ।आमदार कुमार आयलानी ने बताया कि 2019 के चुनाव के पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उल्हासनगर

में मेट्रो मार्ग लाने की घोषणा की थी अब वह साकार होने जा रहा है इसके लिए आमदार कुमार आयलानी द्वारा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का आभार व्यक्त किया गया। वहीं उनकी इस मांग को गति देने के लिए उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे व अजीत पवार, भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण व कल्याण के सांसद श्रीकांत शिंदे का भी आभार व्यक्त किया है।

सामाजिक संगठन महाराष्ट्र एनजीओ समिती कोंकण विभाग की सदस्य बनी चंदा मिलिंद गान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. महाराष्ट्र एनजीओ समिती एक क्षेत्रीय और राज्य स्तरीय प्रसिद्ध सामाजिक संगठन है जो सामाजिक न्याय और स्वैच्छिक गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से महाराष्ट्र के समग्र विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य करता है। इसकी स्थापना 1 अगस्त 2014 को हुई और इसका मुख्यालय कोल्हापुर में है। इस संगठन ने अभी हाल ही में हुए एक कार्यक्रम में शहर शिवसेना महिला आघाड़ी की उप शहर प्रमुख चंदा मिलिंद गान को अपना सदस्य नियुक्त कर मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, पालघर, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, रायगड जिलों यानी कोकण विभाग की जिम्मेदारी दी है।

समाजसेविका चंदा गान को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी महाराष्ट्र एनजीओ समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.युवराज येडूरे तथा समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ.सुनीता मोडक ने प्रदान की है। चंदा गान अपने पति मिलिंद गान के साथ मिलकर अंबरनाथ शहर में एकता और एकजुटता को बनाए रखते हुए अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती हैं। उनके द्वारा सामाजिक, सांस्कृतिक, स्वास्थ्य, शैक्षणिक आदि कार्यों को आए दिन अंजाम देती रहती हैं ।जरूरत मंदो के लिए शहर में मुफ्त मेडिकल, स्कूली बच्चों को पठन सामग्री प्रदान करना, धार्मिक तथा सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है।

किसान की मौत पर मिली बीमा राशि में धोखाधड़ी

पैन कार्ड बनवाने के बहाने महिला के खाते से 1.5 लाख रुपए निकाले, शिकायत दर्ज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

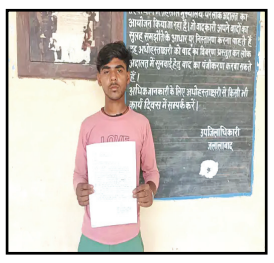

शाहजहांपुर , जलालाबाद क्षेत्र में एक महिला के साथ बैंक खाते से धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। ग्राम रैपुरा निवासी अरुण ने समाधान दिवस पर उप जिला अधिकारी को बताया कि उनके पिता साधू की दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। सरकार की कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत उनकी माता कुसमा के खाते में 5 लाख रुपए जमा हुए थे। मड़िया गुसाई निवासी श्यामवीर ने पैन कार्ड बनवाने के बहाने कुसमा से कई फॉर्म पर हस्ताक्षर करवा लिए। कुसमा अनपढ़ होने के कारण श्यामवीर ने विड्रॉल फॉर्म पर भी उनके हस्ताक्षर ले लिए। श्यामवीर ने खाते से 1.5 लाख रुपए निकाल लिए। पैसे मांगने पर वह घर पर देने का बहाना बनाकर फरार हो गया।

हाईवे पर छुट्टा गोवंश से ऑटो टकराई

शाहजहांपुर में 6 लोग घायल, 2 की हालत गंभीर; मेडिकल कॉलेज रेफर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर , निगोही थाना क्षेत्र में हाईवे पर आवारा गोवंश से ऑटो की टक्कर हो गई। टिकरी चौकी के पास हुई इस दुर्घटना में ऑटो में सवार 6 लोग घायल हो गए। घायलों में गुरदयाल सिंह (55) निवासी भगवनतापुर, सुरज मिश्रा (22) निवासी निगोही, अशोक (25) निवासी खनका शामिल हैं। इसके अलावा बीआरसी निगोही में तैनात मदन चंद्र (50) निवासी जिला बस्ती और किशनलाल (52) निवासी खेरे सांडा भी घायल हुए हैं। गुरदयाल सिंह और किशनलाल को गंभीर चोटें आने के कारण निगोही सीएचसी से मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। सूचना मिलते ही निगोही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया। क्षेत्र में यह पहली घटना नहीं है। हाईवे पर आवारा गोवंश के विचरण के कारण पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। इन दुर्घटनाओं में कई लोग घायल हुए हैं और कुछ की जान भी जा चुकी है।

रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी

शराब के नशे में कर दिया था यूपी-112 पर कॉल, आरोपी गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, डायल 112 पर एक व्यक्ति ने रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी दी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए धमकी भरे कॉल के नंबर को सर्विलांस पर लगाया। जांच में आरोपी की पहचान थाना कांट क्षेत्र निवासी धर्मवीर के रूप में हुई। जलालाबाद थाना पुलिस ने रात में ही दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के समय आरोपी शराब के नशे में था। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी मानसिक रूप से अस्वस्थ और विकलांग है। वह शराब का आदी भी है। थाना प्रभारी राजीव तोमर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। धमकी भरे कॉल से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। आलाधिकारियों को तुरंत इस घटना की जानकारी दी गई। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की।

स्टंटबाजी करते समय पलटा ट्रैक्टर

10 सेकेंड तक हवा में रहे पहिए, युवक बाल-बाल बचा, जांच करने गांव पहुंची पुलिस टीम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, कांट थाना क्षेत्र में एक युवक द्वारा ट्रैक्टर से किए गए खतरनाक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि युवक ने पहले ट्रैक्टर को तेज रफ्तार में बैक किया। फिर अगला गेर डालते ही ट्रैक्टर के दोनों अगले पहिए हवा में उठ गए। लगभग दस सेकंड तक ट्रैक्टर के पहिए हवा में रहे। इसके बाद युवक ट्रैक्टर का संतुलन नहीं रख पाया और वाहन पलट गया। सौभाग्य से इस हादसे में युवक को गंभीर चोटें नहीं आईं। सोशल मीडिया की जांच में पता चला कि वीडियो आशीष कुमार नाम के व्यक्ति की आईडी से पोस्ट की गई है। इसी आईडी से ट्रैक्टर से किए गए कई अन्य स्टंट वीडियो भी मिले हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह घटना कांट थाना क्षेत्र के किस गांव की है और इस वीडियो को कब बनाया गया था। कांट थाना प्रभारी ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी मिलते ही टीम को जांच के लिए भेजा गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दैनिक भास्कर इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

चोरी के बाद राजस्थान में मौज-मस्ती

खाली प्लाट से घर में घुसा चोर, लाखों की नकदी व जेवरात किए पार, 11 दिन बाद गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुलिस ने चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहित उर्फ अन्ना ने चोरी की घटना को 16 जून को अंजाम दिया था। मामूड़ी मोहल्ले के रहने वाले मुनव्वर अली अपनी पत्नी के साथ स्कूटी से रिश्तेदार के घर गए थे। आरोपी ने उन्हें जाते देखा और खाली प्लॉट से उनके मकान में घुस गया। उसने फ्रिज के कवर में रखी चाबी से कमरे का लॉक खोला और जेवर व नकदी चुरा ली। चोरी के बाद आरोपी राजस्थान भाग गया। वहां खाने-पीने और घूमने में चोरी के पैसे खर्च किए। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शालीमार गार्डन के पास से आरोपी को पकड़ा। उसके पास से 27 हजार रुपए नकद, दो घड़ियां और कपड़े बरामद किए गए हैं। चोरी किए गए जेवरात को आरोपी पहले ही बेच चुका था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि चोरी की गई नकदी से 27 हजार रुपए बचे थे। बाकी रुपए खाने पीने और घूमने में खर्च हो गए। चोरी के बाद वह राजस्थान चला गया था। वहां से वापस लौटते ही पुलिस ने उसको पकड़ लिया। आरोपी के मुताबिक वह उस मकान के पास टहल रहा था। तभी पति पत्नी स्कूटी से कहीं जा रहे थे। मकान में कोई नही था। तभी खाली प्लाट की तरफ से मकान के अंदर घुसे थे।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

पीओके में पाकिस्तान फिर से आतंकी कैंप्स बना रहा

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में तबाह किए थे , इस बार एडवांस टेक्नीक से लैस कर रहा

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तानी सेना, सीक्रेट एजेंसी आईएसआई और सरकार मिलकर भारत के ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए आतंकी ठिकानों और ट्रेनिंग कैंप्स को फिर से बना रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तानी सेना की मदद से आतंकी संगठन अब लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास घने जंगलों में छोटे और हाई-टेक ट्रेनिंग कैंप बना रहे हैं। इनका मकसद भारतीय सेना की निगरानी और हवाई हमलों से बचना है। ये कैंप्स लुनी, पुटवाल, ताइपु पोस्ट, जमीला पोस्ट, उमरनवाली, चप्रार, फॉरवर्ड कहुटा, छोटा चक और जंगलोरा जैसे इलाकों में बनाए जा रहे हैं। इनमें थर्मल इमेजर, जंगल में निगरानी करने वाले रडार और सैटेलाइट को चकमा देने वाली तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। पाकिस्तान पीओके में फिर से 13 लॉन्चपैड डेवलप कर रहा है। इनमें केल, शारदी, दुधनियाल, अथमुकाम, जुरा, लीपा वैली, पचिबन चमन, तंदपानी, नैयाली, जानकोट, चकोटी, निकैल और फॉरवर्ड कहुटा शामिल

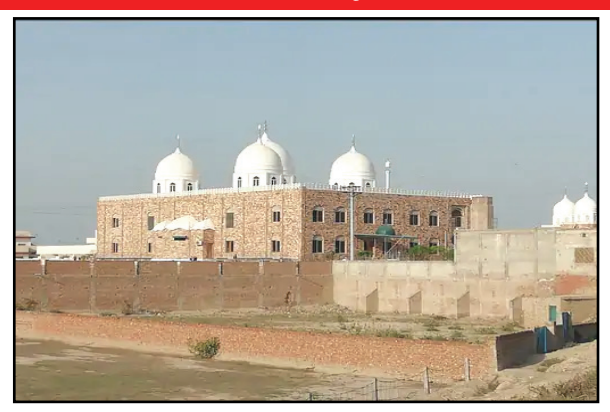

हैं। इसके अलावा, जम्मू सेक्टर की इंटरनेशनल बॉर्डर पर मसरूर बड़ा भाई, चप्रार, लुनी और शकरगढ़ में चार लॉन्चपैड बना रहे हैं। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पीओके में मौजूद कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। आईएसआई अब बड़े आतंकी कैप्स की जगह छोटे-छोटे कैंप बनाने पर फोकस कर रही है। ताकि किसी हमले में नुकसान को कम किया जा सके। हर कैंप की अपनी सिक्योरिटी सिस्टम होगी, जिसमें खास तरह से ट्रेंड पाकिस्तानी सैनिक तैनात होंगे। ये सैनिक थर्मल सेंसर, लो फ्रीक्वेंसी वाले रडार और एंटी-ड्रोन तकनीक से लैस होंगे। सीक्रेट एजेंसियों ने बहावलपुर में हुई एक सीक्रेट बैठक की जानकारी भी इंटरसेप्ट की है। इस बैठक में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिदीन और द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के सीनियर कमांडर्स के साथ आईएसआई अधिकारी शामिल थे। बैठक में आईएसआई ने तबाह हुए आतंकी ठिकानों को फिर से बनाने के लिए धनराशि और जरूरी रिसोर्स देने का वादा किया है। पाक आर्मी चीफ मुनीर ने एक हफ्ते पहले मरकज सुब्हान अल्लाह परिसर, बिलाल मस्जिद, उम्मुल कुर्रा, जामिया दावा इस्लामी मदरसा व भारतीय हमलों में तबाह हुए अन्य आतंकी ठिकानों को रिपेयर करने की डेडलाइन 31 जून तय की थी। दरअसल, 1 जुलाई से पाकिस्तान में मदरसे खुलेंगे। पहले मदरसे 20 जून से खुलने थे, लेकिन इनके ठीक न हो पाने के चलते मदरसे खुलने की तारीख बदल दी गई है। मुनीर ने इन्हें रिपेयर करने के लिए एक टीम बनाई है। वह खुद इन कामों की निगरानी कर रहे हैं। जिससे साफ है कि पाक अपने यहां पाले गए आतंकवाद को फिर खड़ा कर रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या की थी। इसका बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले के बाद, पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नियंत्रण रेखा पर गोलाबारी की। साथ ही बॉर्डर इलाकों में ड्रोन हमलों की भी कोशिश की। जवाब में, भारत ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस मशीनरी, रडार इन्फ्रास्ट्रक्चर और कम्युनिकेशन सेंटर्स पर हमले किए और उन्हें नष्ट कर दिया। भारतीय हमले ने पाकिस्तान के 11 एयरबेसों को भारी नुकसान पहुंचाया। इसके बाद, 10 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म करने के लिए सीजफायर की घोषणा की गई।

जंग में मारे गए 60 ईरानी अफसरों का अंतिम संस्कार

जनाजे में हजारों लोग पहुंचे; ईरानी विदेश मंत्री, स्पीकर सहित बड़े नेता भी शामिल

एजेंसी

तेहरान, इजराइल के साथ 12 दिनों तक चले युद्ध के दौरान मारे गए 60 ईरानी अफसरों का शनिवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। इनमें 30 सैन्य कमांडर्स और 11 परमाणु वैज्ञानिक शामिल हैं। तेहरान में इनके जनाजे में हजारों लोगों की भीड़ जुटी है। जिन लोगों को दफनाया जाएगा, उनमें ईरान के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी मोहम्मद बाघेरी भी शामिल हैं। वे ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ थे। अफसरों के शवों को गाड़ियों पर ईरानी झंडे में लिपटे ताबूतों में रखे थे। ताबूतों के साथ अफसरों की तस्वीरें भी रखी थीं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास

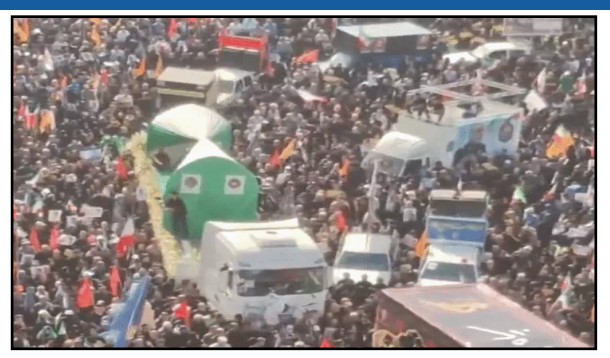

अराकची, पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाकर कलीबाफ, ज्युडिश्यरी चीफ मोहसेनी-एजेई, आईआरजीसी कुद्स फोर्स कमांडर इस्माइल कानी सहित कई बड़े नेता और सैन्य अधिकारी भी जनाजे में पहुंचे हैं। ईरान और इजराइल के बीच 12 जून को जंग शुरू हुई थी। अमेरिका ने 22 जून को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। दो दिन बाद, 24 जून को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर ईरान-इजराइल के बीच सीजफायर का ऐलान किया था।

ट्रम्प बोले- मैंने खामेनेई को भयानक मौत से बचाया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को ईरानी सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के उस दावे को झूठा करार दिया, जिसमें उन्होंने इजराइल के खिलाफ जंग में जीत की ऐलान किया था। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा, 'मैंने खामेनेई को एक भयानक और अपमानजनक मौत से बचाया। मुझे यह भी उम्मीद नहीं है कि वे मुझे शुक्रिया कहेंगे।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि वह खामेनेई के ठिकाने से वाकिफ थे, लेकिन उन्होंने इजराइल और अमेरिकी सेना को उनकी हत्या से रोका, जिससे उनकी जान बच गई। उन्होंने आगे कहा, 'ईरान ग्लोबल सिस्टम में शामिल होने की जगह गुस्सा और दुश्मनी दिखा रहा है, जिसकी वजह से उनकी सेना, इकोनॉमी और भविष्य बर्बाद हो चुका है।' इजराइली रक्षा मंत्री ने भी कहा- खामेनेई को मारना चाहते थे इससे पहले इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने गुरुवार को कहा था कि इजराइल ईरान के सुप्रीम लीडर को खत्म करना चाहता था।

काट्ज ने चैनल 13 के साथ एक इंटरव्यू में कहा, 'अगर खामेनेई हमारी पहुंच में होते, तो हम उन्हें मार गिराते।' काट्ज ने कहा, 'इजराइल खामेनेई को खत्म करना चाहता था, लेकिन ऐसा करने का कोई मौका नहीं था।'

पाकिस्तान के खैबर प्रांत में सुसाइड अटैक

13 सैनिकों की मौत, 29 घायल; हमलावर विस्फोटकों से लदी गाड़ी लेकर फौजी काफिले से टकराया

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में शनिवार को एक आत्मघाती हमलावर ने सैन्य काफिले को निशाना बनाया। इसमें 13 सैनिक मारे गए। जबकि 10 सैनिक और 19 नागरिक घायल हो गए। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक हमलावर ने विस्फोटकों से लदी गाड़ी सैन्य काफिले में घुसा दी थी। खैबर पख्तूनख्वा में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने एएफपी को बताया कि धमाका इतना जोरदार था कि दो घरों की छतें गिर गईं, जिससे छह बच्चे घायल हो गए। इस बम विस्फोट की जिम्मेदारी पाकिस्तान-तालिबान (टीटीपी) से जुड़े हाफिज गुल बहादुर ग्रुप ने ली है। खैबर प्रांत को टीटीपी का गढ़ माना जाता है। आतंकी संगठन टी.टी.पी ने 24 जून को दक्षिणी वजीरिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी पर हमला किया था, जिसमें 2 आर्मी अफसर मारे गए। इनमें से एक पाकिस्तानी कमांडर मोइज अब्बास भी था, जिसने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को पकड़ा था। बालाकोट में एयर स्ट्राइक के अगले दिन 27 फरवरी को पाकिस्तानी वायुसेना ने भारतीय सीमा में दाखिल होने की कोशिश की थी।

जवाब में भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन चलाया था। तब विंग कमांडर अभिनंदन ने मिग-21 बाइसन फाइटर जेट से पाकिस्तान के एफ-16 फाइटर जेट को मार गिराया था।

हालांकि उनका विमान पाकिस्तानी सीमा में गिर गया था। पाकिस्तानी आर्मी ने अभिनंदन को कैद कर लिया था। साल 2002 में अमेरिकी सेना ने 9/11 आतंकी हमले का बदला लेने अफगानिस्तान में धावा बोलती है। अफगानिस्तान में अमेरिकी कार्रवाई के डर से कई आतंकी पाकिस्तान के कबाइली इलाके में छिप जाते हैं। इसी दौरान पाकिस्तान की सेना इस्लामाबाद की लाल मस्जिद को एक कट्टरपंथी प्रचारक और आतंकियों के कब्जे से मुक्त कराती है। हालांकि कट्टरपंथी प्रचारक को कभी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का करीबी माना जाता था, लेकिन इस घटना के बाद स्वात घाटी में पाकिस्तानी आर्मी की खिलाफत होने लगी। इससे कबाइली इलाकों में कई विद्रोही गुट पनपने लगे। ऐसे में दिसंबर 2007 को बेयतुल्लाह मेहसूद की अगुवाई में 13 गुटों ने एक तहरीक यानी अभियान में शामिल होने का फैसला किया, लिहाजा संगठन का नाम तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान रखा गया।

शॉर्ट में इसे टी.टी.पी या फिर पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है। आतंकवाद की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान में अब तक जितने भी आतंकी संगठन अस्तित्व में आए हैं, उनमें तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को सबसे खतरनाक माना जाता है।

ट्रम्प ने कनाडा के साथ टैरिफ को लेकर बातचीत रोकी

अमेरिकी कंपनियों पर डिजिटल टैक्स लगाने से नाराज, कहा- कनाडा पर जल्द नया टैरिफ लगाऊंगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कनाडा के साथ व्यापार वार्ता तुरंत खत्म कर दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि वे जल्द ही कनाडा पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा करेंगे। दरअसल, कनाडा ने अमेरिका पर डिजिटल सर्विसेज टैक्स (डीएसटी) लगा दिया है। इससे नाराज होकर ट्रम्प ने यह फैसला किया। ट्रम्प ने कहा कि अगले 7 दिनों में कनाडा को बता दिया जाएगा कि उसे

अमेरिका के साथ बिजनेस करने के लिए कितना टैरिफ देना होगा। कनाडा सोमवार से लगा रहा डिजिटल सर्विसेज टैक्स कनाडा का डिजिटल सर्विसेज टैक्स एक्ट पिछले साल 20 जून, 2024 को कनाडा की संसद में पास हुआ था। हालांकि यह टैक्स 30 जून से लागू होगा। नियम के मुताबिक यह 2022 से पुराने बिलों पर भी लगेगा। यानी टैक्स का पैसा पिछले समय के लिए भी देना होगा। डिजिटल सर्विसेज टैक्स वह टैक्स होता है, जो ऑनलाइन सर्विस देने वाली कंपनियों से वसूला जाता है। बड़ी विदेशी और घरेलू कंपनियों को, जो कनाडा में ऑनलाइन यूजर्स से पैसा कमा रही हैं, उसे आय पर 3% टैक्स देना होगा। यह टैक्स ऑनलाइन मार्केटप्लेस, सोशल मीडिया, ऑनलाइन विज्ञापन और यूजर डेटा बेचने से हुई कमाई पर लागू होगा। यह टैक्स उन कंपनियों पर लागू होता है जिनकी सलाना कमाई 800 बिलियन डॉलर से ज्यादा है।

इससे खासकर अमेरिकी टेक कंपनियां जैसे मेटा, गूगल, एपल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट ज्यादा प्रभावित होंगी। कारोबारियों का अनुमान है कि इस टैक्स से अमेरिकी कंपनियों को हर साल दो अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान होगा। इसके साथ ही अमेरिका में 3,000 नौकरियां भी जा सकती हैं।

बिहार में चुपचाप एनआरसी लागू कर रहा चुनाव आयोग

विधानसभा चुनाव से पहले ओवैसी का बड़ा आरोप

एजेंसी

अपने एक्स पोस्ट में ओवैसी ने कहा कि निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाने के लिए अब हर नागरिक को दस्तावेजों के जरिए साबित करना होगा कि वह कब और कहाँ पैदा हुए थे, और साथ ही यह भी कि उनके माता-पिता कब और कहाँ पैदा हुए थे।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने चुनाव आयोग पर आगामी विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में गुप्त रूप से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नए नियमों के तहत लोगों को अपने और अपने माता-पिता के जन्म विवरण को दस्तावेजों के माध्यम से साबित करना होगा, जो कई गरीब नागरिकों, खासकर बाढ़ प्रभावित सीमांचल में, के पास नहीं है। अपने एक्स पोस्ट में ओवैसी ने कहा कि निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीके से एनआरसी लागू कर रहा है। वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाने के लिए अब हर नागरिक को दस्तावेजों के जरिए साबित करना होगा कि वह कब और कहाँ पैदा हुए थे, और साथ ही यह भी कि उनके माता-पिता कब और कहाँ पैदा हुए थे। विश्वसनीय अनुमानों के अनुसार भी केवल तीन-चौथाई जन्म ही पंजीकृत होते हैं। ज्यादातर सरकारी कागजों में भारी गलतियाँ होती हैं। उन्होंने आगे लिखा कि बाढ़ प्रभावित सीमांचल क्षेत्र के लोग सबसे गरीब हैं; वे मुश्किल से दिन में दो बार खाना खा पाते हैं। ऐसे में उनसे यह अपेक्षा करना कि उनके पास अपने माता-पिता के दस्तावेज होंगे, एक क्रूर मजाक है। इस प्रक्रिया का परिणाम यह होगा कि बिहार के गरीबों की बड़ी संख्या को वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया जाएगा। वोटर लिस्ट में अपना नाम भर्ती करना हर भारतीय का संवैधानिक अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने 1995 में ही ऐसी मनमानी प्रक्रियाओं पर सख़्त सवाल उठाए थे। चुनाव के इतने करीब इस तरह की कार्रवाई शुरू करने से लोगों का निर्वाचन आयोग पर भरोसा कमजोर हो जाएगा।

संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं, इसे आपातकाल के दौरान बदला गया

उपराष्ट्रपति धनखड़ का बयान

धनखड़ ने कहा कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बी आर अंबेडकर ने संविधान पर बहुत मेहनत की और उन्होंने निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा।

एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संविधान की प्रस्तावना में कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह वह बीज है जिस पर यह दस्तावेज विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी अन्य संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि लेकिन इस प्रस्तावना को 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम द्वारा बदल दिया गया था। उन्होंने कहा कि इसमें समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और अखंडता शब्द जोड़े गए थे। धनखड़ ने कहा कि हमें इस पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बी आर अंबेडकर ने संविधान पर बहुत मेहनत की और उन्होंने निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी भी देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया। यहां एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में उनकी टिप्पणी गुरुवार को आरएसएस द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने के आान के बाद आई है। आरएसएस ने कहा कि इन्हें आपातकाल के दौरान शामिल किया गया था और ये अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा कभी नहीं थे। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा इस बात पर राष्ट्रीय बहस के आान की आलोचना की है कि क्या 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों को प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने इसे राजनीतिक अवसरवाद और संविधान की आत्मा पर जानबूझकर किया गया हमला करार दिया है। आपातकाल के दिनों (1975-77) के दौरान संविधान की प्रस्तावना में शामिल किए गए दो शब्दों की समीक्षा के लिए होसबोले की जोरदार वकालत ने राजनीतिक विवाद को जन्म दिया, आरएसएस से जुड़ी पत्रिका ऑर्गनाइजर में प्रकाशित एक लेख में कहा गया कि यह संविधान को खत्म करने के बारे में नहीं है, बल्कि कांग्रेस की आपातकाल-युग की नीतियों की विकृतियों से मुक्त होकर इसकी मूल भावना को बहाल करने के बारे में है।

केरल में भारी बारिश, आईएमडी ने पांच जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया

आईएमडी ने राज्य के पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, मलप्पुरम और वायनाड जिलों में शनिवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 सेंटीमीटर (सेमी) से 20 सेमी तक की भारी बारिश होता है।

एजेंसी

केरल में मानसून की बारिश जारी रहने के कारण राज्य में हाई अलर्ट जारी है, क्योंकि नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है और बांधों के शटर खोले जा रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के लिए अपने पूवार्नुमान में संशोधन किया है, जिसके तहत आज वायनाड और इडुक्की जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। आईएमडी ने राज्य के पथानामथिट्टा, कोट्टायम, इडुक्की, मलप्पुरम और वायनाड जिलों में शनिवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 सेंटीमीटर (सेमी) से 20 सेमी तक की भारी बारिश होता है। पिछले कुछ दिनों में राज्य में हुई बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, जिससे कई निचले इलाकों में बाढ़ आ गई और सैकड़ों लोग विस्थापित हुए हैं। पिछले कुछ दिनों में वायनाड जिले के बाणासुर सागर और पथानामथिट्टा जिले के मूझियार जैसे कुछ बांधों के फाटक खोल दिये गए हैं। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, त्रिशूर जिले में पीची बांध के फाटक शनिवार दोपहर को खोले जाने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने बताया कि जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के कारण जल स्तर बढ़ने के बाद पलक्कड़ में कंजिरापुझा, मालमपुझा और मीनकारा सहित विभिन्न बांधों के फाटक शनिवार को खोल दिए गए।

परिवार संग भगवान जगन्नाथ के दर पर गौतम अदाणी, श्रद्धालुओं के लिए शुरू की 'प्रसाद सेवा'

महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की असीम कृपा से हमें पुरी धाम की पवित्र रथ यात्रा के दौरान सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज से शुरू हो रही यह दिव्य यात्रा वह पवित्र क्षण है जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आकर उन्हें अपने दर्शन देकर धन्य करते हैं। यह केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि भक्ति, सेवा और समर्पण का एक उत्कृष्ट उत्सव है।

अडानी और उनकी पत्नी ने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और पुरी के इस्कॉन किचन में सेवा की

एजेंसी

उद्योगपति और अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी अपनी पत्नी प्रीति अडानी के साथ शनिवार को ओडिशा के मंदिरों के शहर पुरी पहुंचे और भगवान जगन्नाथ की 9 दिवसीय रथ यात्रा में हिस्सा लिया। यह उत्सव शुक्रवार से शुरू हुआ। अडानी और उनकी पत्नी ने जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और पुरी के इस्कॉन किचन में सेवा की, जहां रथ यात्रा में शामिल होने वाले हजारों भक्तों के लिए प्रसाद और भोजन तैयार किया जाता है। अडानी समूह ने पुरी में रथ यात्रा में भाग लेने वाले भक्तों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अपनी 'प्रसाद सेवा' पहल शुरू की है। इससे पहले, गौतम अडानी ने इस पवित्र अवसर का हिस्सा बनने के लिए

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'अडानी परिवार' इस कार्यक्रम के दौरान सेवा करने के लिए धन्य महसूस कर रहा है। महाप्रभु श्री जगन्नाथ जी की असीम कृपा से हमें पुरी धाम की पवित्र रथ यात्रा के दौरान सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आज से शुरू हो रही यह दिव्य यात्रा वह पवित्र क्षण है जब भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आकर उन्हें अपने दर्शन देकर धन्य करते हैं। यह केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि भक्ति, सेवा और समर्पण का एक उत्कृष्ट उत्सव है। इस पावन अवसर पर, अदाणी परिवार पूरी ईमानदारी और श्रद्धा के साथ लाखों श्रद्धालुओं की सेवा के लिए समर्पित है। हर श्रद्धालु को स्वच्छ, पौष्टिक और प्रेमपूर्वक परोसा गया भोजन मिले, इस संकल्प के साथ हमने पुरी धाम में 'प्रसाद सेवा' की शुरूआत की है। उद्योगपति ने पुरी में रथ यात्रा के दौरान सेवा करने के अवसर को बेहद गर्व की बात बताया, उन्होंने कहा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान श्री जगन्नाथ जी की कृपा हम सभी पर हमेशा बनी रहे। मानवता की सेवा करना ईश्वर की सेवा करना है, और सेवा ही आध्यात्मिक साधना है।

संक्षेप

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

युवक की मौके पर मौत, रिश्तेदार घायल, पुलिस कर रही वाहन की तलाश

सुलतानपुर, धम्मौर थाना क्षेत्र के टांडा बांदा राष्ट्रीय राजमार्ग पर छरौली गांव में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। धम्मौर निवासी अनिमेष श्रीवास्तव उर्फ अमन अपने रिश्तेदार हर्षित के साथ बाइक पर शहर की ओर जा रहे थे छरौली स्थित पप्पू ढाबा के पास सुलतानपुर की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में अनिमेष की मौके पर ही मौत हो गई। हर्षित गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना प्रभारी अंजू मिश्रा के अनुसार, घायल हर्षित को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह जौनपुर सिटी का रहने वाला है और दिनेश का पुत्र है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी वाहन चालक की तलाश जारी है।

गिरने से युवक की मौत

सुलतानपुर के इस्माइलपुर में मछली पकड़ने के दौरान हुआ हादसा

सुलतानपुर, जिले के कूरेभार थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव में एक दुखद घटना सामने आई है। मजरा साधोभारी में शनिवार सुबह मछली पकड़ने गए 27 वर्षीय उमेश कुमार वर्मा की कीचड़ युक्त तालाब में गिरने से मौत हो गई। उमेश एक स्थानीय युवक के साथ गांव के पास स्थित तालाब में मछली पकड़ने गए थे। इसी दौरान वह कीचड़ युक्त तालाब में गिर गए। तालाब में पानी कम था। साथ गए युवक ने मदद के लिए आवाज लगाई। आसपास के लोगों ने उमेश को तालाब से बाहर निकाला। उन्हें तुरंत कूरेभार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां डॉ. प्रवेश दीक्षित ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के अनुसार मौत का सटीक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। मृतक खेती-बाड़ी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनकी पत्नी सुमन और दो वर्षीय बेटी आर्या का रो-रोकर बुरा हाल है। कूरेभार पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

विधायक निधि से बन रही सड़क में धांधली

मुडुई गांव में घटिया सामग्री का उपयोग, ग्रामीणों ने जताई चिंता

सुलतानपुर, इसौली क्षेत्र के मुडुई गांव में विधायक निधि से बन रही आरसीसी सड़क निर्माण में गंभीर अनियमितता पाई गई है। स्वीकृत 180 मीटर के स्थान पर मात्र 160 मीटर सड़क का निर्माण किया जा रहा है। ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी की जा रही है। सड़क के किनारों पर पीली ईंटों का प्रयोग किया जा रहा है। इन ईंटों में मसाला भी ठीक से नहीं लगाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि निम्न गुणवत्ता की सामग्री के कारण सड़क जल्द ही खराब हो जाएगी। क्षेत्रीय विधायक मोहम्मद ताहिर खान ने अभी तक कार्य का निरीक्षण नहीं किया है।

प्रयागराज में वकील ने सुसाइड किया

प्रयागराज में नोट में कहा- आई मिस यू पूनम, आई हेट यू

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, 'मेरा 9 साल का प्यार अधूरा रह गया। आई मिस यू पूनम। आई हेट यू पूनम। तुम खुश रहना। मैं जा रहा हूं।' प्रयागराज में सुसाइड नोट में यह बातें लिखकर वकील ने आत्महत्या कर ली। दरअसल, वकील की शादी घरवालों ने दूसरी जगह तय कर दी थी। 16 मई को बारात जानी थी, कार्ड बंट गए थे, लेकिन ऐन वक्त पर उसने प्रेम प्रसंग के चलते शादी से इनकार कर दिया। उसका शव किराए के मकान में लटका मिला। मकान मालिक ने इसकी सूचना पुलिस और परिजनों को दी। पुलिस का कहना है- वकील ने खुदकुशी की है। सुसाइड नोट मिला है। शव का पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला हंडिया थाना क्षेत्र का है। सिविल कोर्ट के वकील अजय साहू की मौत के बाद मां शकुंतला देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। कुकुहा गांव के रहने वाले अजय साहू (27) सिविल कोर्ट में वकील थे। झूंसी में त्रिवेणीपुरम निवासी बृजेन्द्र कुमार राय के मकान में किराए के कमरे में रहते थे। शुक्रवार शाम वह कचहरी से कमरे पर पहुंचे। देर रात करीब 10 बजे उन्होंने पंखे में प्लास्टिक की रस्सी बांधकर फंदा लगा लिया। मकान मालिक ने अजय के कमरे का दरवाजा खटखटाया। मगर दरवाजा नहीं खुला। कई बार आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, फिर उन्होंने कमरे की खिड़की को खोलकर देखा तो अजय का शव फंदे से लटक रहा था। उन्होंने पुलिस और परिजनों को सूचना दी। परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने वकील के शव को फंदे से नीचे उतारा। शव देख परिजनों मे कोहराम मच गया। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट मिला। अजय ने सुसाइड नोट में लिखा- पुलिस और मीडिया से आग्रह है। मेरी मौत के मामले में मेरे परिवार और नाते-रिश्तेदारों सहित मित्रों को परेशान न करें। मैं अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहा हूं। मेरा 9 साल का प्यार अधूरा रह गया। आई मिस यू पूनम। आई हेट यू पूनम। तुम खुश रहना। मैं जा रहा हूं। 16 मई को जानी थी बारात, तोड़ दिया रिश्ता पुलिस ने बताया कि अजय की शादी भदोही जिला निवासी युवती से तय हुई थी। शादी के कार्ड बंट गए थे। पिछले महीने 16 मई को बारात जानी थी, लेकिन वकील ने 27 अप्रैल को शादी करने से इनकार कर दिया। इससे उनके परिजन नाराज हो गए थे। बताया कि अजय ढाई वर्ष से वकालत कर रहे थे। अजय पांच भाइयों में सबसे छोटे थे।

आठवीं की छात्रा का शव बाथरूम में मिला

नैनी में शॉवर पर दुपट्टे से लटकी मिली, चाचा के घर छुट्टी मनाने आई थी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

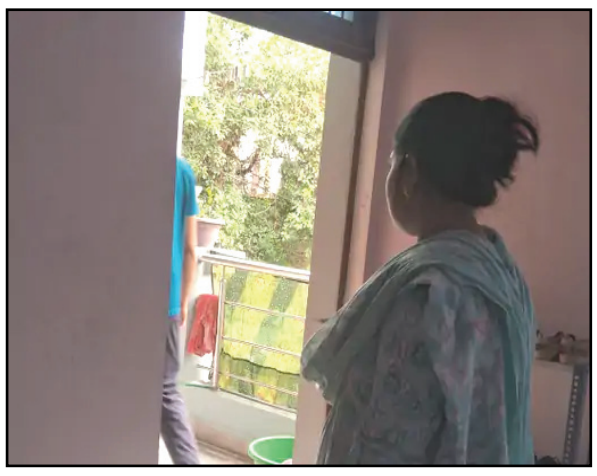

प्रयागराज, नैनी में आठवीं में पढ़ने वाली छात्रा (15) का शव बाथरूम के शॉवर में दुपट्टे से लटकता मिला। छात्रा फतेहपुर से अपने चाचा के घर छुट्टी मनाने आई हुई थी। सूचना नैनी पुलिस को मिली तो पुलिस ने बाथरूम के दरवाजे को तोड़कर शव को बाहर निकाला और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को मौके से कोई सुसाइट नोट नहीं मिला है। घटना की जांच पुलिस के रही है। फतेहपुर की रहने वाली कुमारी अशिकी 15 वर्ष पुत्री शिव विजय सिंह आठवीं की छात्रा थी। करीब 20 दिन पहले ही चाचा अवधेश ने नैनी हनुमान नगर मोहल्ले में राजेश शर्मा के मकान में किराए का कमरा लिया था और अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते है। अवधेश राजस्थान में मिलिट्री में तैनात है। में भतीजी अशिकी का शव बाथरूम के अंदर शॉवर पर दुपट्टे से लटकता मिला। बाथरूम अंदर से बंद था। अशिकी घर के अंदर नहीं दिखी तो चाची ने बाथरूम की तरफ जाकर देखा। बाथरूम अंदर से बंद था। जिसके बाद दरवाजा पीटा गया, लेकिन कोई आहट नहीं मिली। इसके बाद अवधेश ने तत्काल नैनी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची इन शव को दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना घरवालों को मिली तो परिजन भी मौके पर पहुंच गए। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि छात्रा की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। कोई सुसाइट नोट नहीं मिला है। फिलहाल जांच की जा रही है।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष का अमेठी दौरा

- अपना दल-एस के दो नेता बसपा में शामिल, बूथ कमेटियों की समीक्षा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने शनिवार को अमेठी के बड़गांव में कार्यकर्ता बैठक की। उन्होंने सेक्टर और बूथ कमेटियों के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया। बैठक में एडवोकेट अंजू पाल और सुरेश कुमार पाल ने अपना दल-एस छोड़कर बसपा में प्रवेश किया। प्रदेश अध्यक्ष ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। विश्वनाथ पाल ने कहा कि बसपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है जिसने सभी राज्यों में भाईचारे के साथ संगठन का निर्माण किया है। उन्होंने 2027 में उत्तर प्रदेश में बसपा की सत्ता में वापसी का लक्ष्य रखा। ईवीएम पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बसपा सरकार में बूथ कैप्चरिंग बंद हुई। कांग्रेस और भाजपा की मिलीभगत से चुनाव आयोग ईवीएम से चुनाव करा रहा है। उन्होंने कहा कि बैलेट पेपर से मतदान होने पर बसपा की जीत तय है। बाद में प्रदेश अध्यक्ष पुन्नपुर गए। वहां उन्होंने बसपा के पूर्व सेक्टर अध्यक्ष स्व. ओम प्रकाश गौतम को श्रद्धांजलि दी। उनके परिवार से मिलकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन विधानसभा प्रभारी राम अभिलाष बौद्ध ने किया।

पत्नी से अफेयर के शक में डबल मर्डर

बड़े भाई की चाकू से गोदकर हत्या, बचाने आई भतीजी को भी मार डाला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, पत्नी से अफेयर के शक में छोटे भाई ने बड़े भाई की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। पिता को बचाने आई बेटी को पर भी चाकू से वार किया। चीख-पुकार मचने के बाद घर के लोग ऊपर कमरे में पहुंचे तो देखा कमरे में दोनों खून से लथपथ तड़प रहे थे। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया। सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देर पिता-पुत्री की मौत हो गई। परिवार के लोगों को रो- रोकर बुरा हाल है। घटना गोविंद नगर थाना क्षेत्र की है। गोविंद नगर में संजय (40) और उसका परिवार रहता है। संजय पांच भाई है। सभी पायल बनाने का काम करते हैं। शुक्रवार देर शाम करीब आठ बजे संजय और उसके छोटे भाई खिल्लन में विवाद हुआ। खिल्लन ने बड़े भाई संजय और उसकी बेटी अंजलि (18 साल) की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। संजय के बेटे पृथ्वी ने बताया- हम लोग नीचे खाना खा रहे थे। तभी चाचा खिल्लन अपने हाथ में कुछ लेकर आए और कमरे में चले गए। हम लोग भी खाना खाने के बाद अपने कमरे में चले गए। थोड़ी ही देर में जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज आने लगे। बेटे पृथ्वी ने बताया- मैं जब बाहर निकला तो देखा कि चाचा मेरे पापा को चाकू मार रहे थे। हम लोग पापा को बचाने लगे। मैंने चाचा को पकड़ा तो उन्होंने बहन को भी चाकू मार दिया। मुझे भी मारने जा रहे थे, तभी मेरा पैर फिसल गया।

चाचा भी गिर गए फिर छत से कूदकर भाग गए। बेटे पृथ्वी ने बताया- हम लोग चार भाई बहन हैं। मेरी बहन अंजलि सबसे बड़ी थी। इसके बाद मैं था और फिर मेरी दो बहनें थीं। दीदी अभी 11वीं क्लास में थीं।

कांग्रेस संगठन का विस्तार

- 66 नए पदाधिकारियों की नियुक्ति, प्रवक्ता और मीडिया कोऑर्डिनेटर भी बनाए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की गई हैं। कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की मंजूरी से संगठन में नई नियुक्तियों की घोषणा की है। संगठन में कुल 66 नए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। इनमें 41 जिला सचिव, 12 महासचिव और 13 जिला उपाध्यक्ष शामिल हैं। प्रवक्ता के पद पर अनिल सिंह को नियुक्त किया गया है। फिरोज आलम को मीडिया कोऑर्डिनेटर बनाया गया है। मोहम्मद आसिफ को पुनः कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी संगठन को मजबूत करने में जुटी है। पार्टी ने अनुभवी और नए कार्यकर्ताओं को संगठन में महत्वपूर्ण पद देकर संतुलन बनाने का प्रयास किया है। इन नियुक्तियों से पार्टी कार्यकर्ताओं में नया उत्साह देखा जा रहा है।

पोषाहार उत्पादन इकाई का निरीक्षण

डीएम ने गुणवत्ता और सफाई पर दिए निर्देश, उत्पादन बढ़ाने को कहा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, जिलाधिकारी संजय चौहान ने गौरीगंज ब्लॉक के शहबाजपुर में आंगनबाड़ी पोषाहार उत्पादन इकाई का निरीक्षण किया। यह इकाई उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चल रही है। स्वयं सहायता समूह की महिलाएं जागृति माइक्रो इंटरप्राइजेज के माध्यम से इसका संचालन कर रही हैं। डीएम ने डीसी एनआरएलएम प्रवीणा शुक्ला से दैनिक पोषाहार उत्पादन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उत्पादन क्षमता बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही पोषाहार की नियमित आपूर्ति सभी आंगनबाड़ी केंद्रों तक सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने इकाई में स्वच्छता और गुणवत्ता पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पोषाहार निर्माण में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। डीएम ने समूह की महिलाओं से भुगतान और कच्चे माल की उपलब्धता की स्थिति जानी। वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत उन्होंने इकाई परिसर में पौधरोपण किया।

इस अवसर पर डीसी एनआरएलएम प्रवीणा शुक्ला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अलीगढ़ में घर से निकली नाबालिग गायब

भाई ने गांव के ही 4 युवकों पर लगाया अपहरण का आरोप, बहला कर ले गए आरोपी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, खैर थाना क्षेत्र के एक गांव में 15 साल की नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। गांव के ही चार युवकों के ऊपर उसको बहला कर भगाने का आरोप लगा है। पीड़ित के भाई ने मुकदमा दर्ज कराया है। भाई ने पुलिस को बताया कि काफी ढूंढ़ने के बाद भी उसकी बहन का कहीं पता नहीं चला है। बाद में उसे गांव के ही लोगों से पता चला कि चारों आरोपी उसकी बहन को वैगनआर कार में बैठाकर अपने साथ ले गए हैं और उसके बाद से ही उसकी बहन का कोई अता-पता नहीं है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। पीड़ित भाई ने बताया कि घटना 19 जून की है। उसकी 15 साल की नाबालिग बहन घर से खेतों की ओर कंडे लेने के लिए गई थी। तभी रास्ते में गांव के अरविंद पुत्र महेश, मनीष पुत्र रिंकू, अन्नू पुत्र महेश, नेनू पुत्र शिवराम उसकी बहन को मिले। आरोपियों ने अरविंद से उसकी बहन की शादी कराने का झांसा दिया और उसे कार में बैठाकर अपने साथ ले गए। इसके बाद से ही किशोरी का अता-पता नहीं है। पीड़ित ने बताया कि उसकी बहन पढ़ी लिखी नहीं है और उसे आसानी से कोई भी अपनी बातों में फंसा लेता है। इसी बात का फायदा उठाकर आरोपियों ने उसकी बहन का अपहरण किया है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसकी बहन का अपहरण करके उसे ले गए हैं। अब आरोपी उसकी बहन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। उसकी बहन के साथ अप्रिय घटना होने के साथ ही उसकी जान को भी आरोपियों से खतरा है। इसलिए जल्द से जल्द आरोपियों का पता लगाकर उसकी बहन को घर लाया जाए। वहीं पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। खैर थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जल्दी ही किशोरी को सही सलामत बरामद कर लिया जाएगा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

41 आंगनबाड़ी कार्यकताओं का मानदेय रोका

ई-केवाईसी और फेस कैप्चर अपडेट नहीं, कार्यशैली में सुधार न होने पर लिया फैसला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, बाल विकास परियोजना कार्यालय बाजार शुकुल में बाल विकास परियोजना अधिकारी धर्मेंद्र गौतम ने लाभार्थियों का ई-केवाईसी और फेस कैप्चर अपडेट न करने वाली 41 आंगनबाड़ी कार्यकताओं का जून माह का मानदेय रोक दिया है। इन केंद्रों पर एक भी लाभार्थी का ई-केवाईसी और फेस कैप्चर अपडेट नहीं किया गया था। भारत सरकार के निदेर्शानुसार आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत सभी लाभार्थियों का ई-केवाईसी और फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से वेरिफिकेशन किया जा रहा है। प्रथम चरण में गर्भवती महिलाओं और सात माह से तीन साल तक के बच्चों का सत्यापन हो रहा है। बाल विकास परियोजना अधिकारी बाजार शुकुल, धर्मेंद्र गौतम ने 10 प्रतिशत से कम प्रगति वाली आंगनबाड़ी कार्यकताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यदि प्रगति संतोषजनक नहीं होती है तो उनका भी मानदेय रोका जाएगा। लाभार्थियों को पोषण ट्रैकर एप डाउनलोड कर बेनिफिशियरी मॉड्यूल में जाकर स्वयं भी अपना फेस कैप्चर और ई-केवाईसी करने की सुविधा दी गई है।

खाद-बीज व्यापारियों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

यूरिया की कीमत और परिवहन लागत बढ़ी, कृषि विभाग की कार्रवाई से नाराज

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, खाद, बीज और कीटनाशक व्यापारियों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। कृषि विभाग की छापेमारी और लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई के विरोध में यह प्रदर्शन किया गया। व्यापारियों ने बताया कि निमार्ता कंपनियां यूरिया 242 से 246 रुपये में बिल कर रही हैं। कंपनियां मात्र 4-5 रुपये का भाड़ा दे रही हैं। वास्तविक परिवहन खर्च 25-30 रुपये है। लोडिंग-अनलोडिंग में 10 रुपये अतिरिक्त खर्च होते हैं।

उर्वरक विक्रेताओं का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

खाद कंपनियों पर अधिक कीमत वसूलने का आरोप, 300 दुकानदारों ने सौंपा ज्ञापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, खाद की अधिक कीमत और ओवर रेटिंग से परेशान होकर बड़ी संख्या में उर्वरक विक्रेताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। उन्होंने एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। दुकानदारों का कहना है कि सरकार ने किसानों को खाद की बिक्री के लिए 266.50 रुपए प्रति बोरी का रेट तय किया है। लेकिन कंपनियां उन्हें 242 से 246 रुपए में खाद दे रही हैं। इस पर 30 से 40 रुपए प्रति बोरी ट्रांसपोर्ट का खर्च अलग से आ रहा है। इससे उन्हें नुकसान हो रहा है। जिले में इस समय धान की रोपाई चल रही है। कंपनियां सात बड़े होलसेलर्स के माध्यम से खाद की बिक्री कर रही हैं। छोटे दुकानदार वहां से खाद खरीदकर किसानों को बेचते हैं। नियम के अनुसार खाद सीधे दुकानदारों तक पहुंचनी चाहिए।

विभाग की छापेमारी से नाराज होकर आल इंडिया एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन के बैनर तले करीब 300 खाद विक्रेताओं ने प्रदर्शन किया। एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला, महामंत्री राम किशोर त्रिवेदी और संदीप मिश्र समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी ,एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प)मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई ,ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी